● वर्ष : 17 ● अंक : 182 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित बुधवार 22 अप्रैल 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

भारत-दक्षिण कोरिया के बीच हुए 15 समझौते, 'चिप से शिप' तक बड़ी डील

व्यापार 50 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य, पीएम मोदी और राष्ट्रपति ली जे. म्युंग की वार्ता से संबंधों को मिली नई ऊंचाई

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जी-म्युंग के बीच हुई अहम द्विपक्षीय वार्ता में भारत और दक्षिण कोरिया ने संबंधों को नई ऊंचाई देने का फैसला किया है। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इस दौरान व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, सेमीकंडक्टर (चिप), पोत निर्माण समेत कुल 15 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, जबकि छह प्रमुख घोषणाएं भी की गईं। यह समझौते दोनों देशों के आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। संयुक्त प्रेस बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और दक्षिण कोरिया "विश्वास की भागीदारी" को "भविष्य की साझेदारी" में बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि "चिप से लेकर शिप, टैलेंट से लेकर टेक्नोलॉजी और एनवायरमेंट से लेकर एनर्जी तक, हर क्षेत्र में सहयोग के नए अवसरों को साकार किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि पिछले एक दशक में दोनों देशों के संबंध काफी गतिशील हुए हैं और वर्तमान में द्विपक्षीय व्यापार 27 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। इसे 2030 तक 50 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए भारत-दक्षिण कोरिया फाइनेंशियल फोरम की स्थापना, औद्योगिक सहयोग समिति का गठन और आर्थिक सुरक्षा वार्ता शुरू करने जैसे कदम उठाए गए हैं। इसके अलावा, भारत में दक्षिण कोरियाई कंपनियों, विशेषकर एमएसएमई सेक्टर के लिए अवसर बढ़ाने हेतु कोरियन इंडस्ट्रियल टाउनशिप स्थापित करने का भी निर्णय लिया गया है। एआई, सेमीकंडक्टर, आईटी, स्टील, पोर्ट और शिपबिल्डिंग जैसे क्षेत्रों में सहयोग को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। वहीं सांस्कृतिक संबंधों पर जोर देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत और दक्षिण कोरिया के बीच हजारों साल पुराना जुड़ाव है। उन्होंने अयोध्या की राजकुमारी सूरीरत्ना और कोरिया के राजा किम-सुरो की ऐतिहासिक कथा का उल्लेख किया। पीएम मोदी ने यहां यह भी कहा कि आज भारत में के-पॉप और के-ड्रामा काफी लोकप्रिय हो रहे हैं, वहीं दक्षिण कोरिया में भारतीय सिनेमा और संस्कृति की पहचान तेजी से बढ़ रही है। इस सांस्कृतिक जुड़ाव को और मजबूत करने के लिए दोनों देशों ने 2028 में "भारत-दक्षिण कोरिया फ्रेंडशिप फेस्टिवल" आयोजित करने की घोषणा की है।

पीएम मोदी ने राष्ट्रसेवा ही 'विकसित भारत' की नींव है का दिया संदेश

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिविल सेवा दिवस पर देश के सिविल सेवकों को संबोधित करते हुए राष्ट्रसेवा को 'विकसित भारत' की मजबूत नींव बताया। उन्होंने कहा कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुंचाना ही एक सशक्त, समृद्ध और संवेदनशील भारत के निर्माण का आधार है। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को एक्स पर अपने संदेश में एक सुभाषित साझा कर सिविल सेवकों को उनके कर्तव्यों और मूल्यों की याद दिलाई। उन्होंने लिखा , "शीलं परहितासक्तिः अनुत्सेकः क्षमा धृतिः। अलोभश्चेति विद्यायाः परिपाकोज्चलं फलम्॥" इस सुभाषित का अर्थ है कि सच्ची विद्या का परिपक्व फल अच्छे चरित्र, परहित की भावना, अहंकार का अभाव, क्षमा, धैर्य और लोभ से दूर रहने में निहित होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यही गुण एक आदर्श सिविल सेवक की पहचान हैं और इन्हीं मूल्यों के आधार पर देश को आगे बढ़ाया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने सभी सिविल सेवकों से आह्वान किया कि वे जनसेवा को सर्वोपरि रखते हुए हर नागरिक तक विकास का लाभ पहुंचाने के संकल्प को दोहराएं। उन्होंने कहा कि सिविल सेवा दिवस सुशासन और राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रतिबद्धता को और मजबूत करने का अवसर है। प्रधानमंत्री ने सिविल सेवकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि जमीनी स्तर से लेकर नीति-निर्माण तक उनके प्रयास अनगिनत लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं और भारत की प्रगति में अहम भूमिका निभाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के सिविल सेवक कर्तव्य के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए उत्कृष्टता, करुणा और नवाचार के साथ सेवा करते रहेंगे।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

राज्य सरकारों पर गंभीर वित्तीय संकट

हिमाचल की सरकार का वित्तीय संकट तेजी के साथ बढ़ता जा रहा है। प्राकृतिक प्रकोप के कारण हिमाचल सरकार के ऊपर खर्च बढ़ा है। केंद्र सरकार से प्राकृतिक आपदा के लिए जो सहायता मिलनी चाहिए थी वह भी नहीं मिली। दरअसल प्राकृतिक आपदा के कारण प्रदेश को भारी नुकसान उठाना पड़ा है, जिसके फलस्वरुप हिमाचल में अब खर्चे में कटौती करनी पड़ रही है। अर्थव्यवस्था बुरी तरह से डगमगा गई है। मंत्रियों, विधायकों और अधिकारियों के वेतन में कटौती की गई है। आगे चलकर इसका असर वेतन, पेंशन विकास कार्यों और जनहितकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पड़ना तय है। हिमाचल प्रदेश सरकार का बढ़ता कर्ज, सीमित राजस्व स्रोतों ने हिमाचल को ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा दिया है। यह स्थिति हिमाचल तक सीमित नहीं है।

देश के एक दर्जन से अधिक राज्य आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। हर माह उन्हें कर्ज लेना पड़ रहा है। पंजाब, राजस्थान, केरल, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों का कर्ज बढ़ता ही जा रहा है। कई राज्यों का कुल ऋण उनके सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 30 प्रतिशत से भी ऊपर पहुंच गया है। जो राज्यों की वित्तीय स्थिति के लिए खतरे की घंटी है। इन राज्यों की आय का बड़ा हिस्सा वेतन, पेंशन, ब्याज, कर्ज की अदायगी और लोक लुभावन योजनाओं में खर्च हो रही है। जिसके कारण विकास योजनाओं के लिए सरकारी खजाने में राशि ही नहीं है। समस्या की जड़ में राजनीतिक लोकलुभावन नीतियां हैं। मुफ्त बिजली, सब्सिडी और नकद सहायता जैसी योजनाओं ने राज्य की आर्थिक स्थिति का कबाड़ा कर दिया है। जो आने वाले समय में राजकोषीय संतुलन को बिगाड़ रही हैं। सभी राज्य सरकारों को लगातार कर्ज लेना पड़ रहा है। यही कर्ज धीरे-धीरे राज्यों के वित्तीय संकट के रूप मे सामने आ रहा है। अमेरिका- इजरायल और ईरान युद्ध के बाद भारत सरकार का बजट भी गड़बड़ा रहा है। भारत सरकार को ऊर्जा जरूरत और अन्य जरूरत का बजट लगातार बढ़ता जा रहा है।

केंद्र सरकार का राजस्व घट रहा है, इसका असर भी राज्यों की आर्थिक स्थिति में पड़ना तय है। महंगाई, बेरोजगारी और आयात का बढ़ता खर्च केंद्र सरकार के साथ-साथ वित्तीय संस्थाओं के ऊपर भी दिखने लगा है। शेयर मार्केट की गिरावट से वित्तीय संस्थानों में इसका असर दिखने लगा है। रिजर्व बैंक भी इससे अछूता नहीं है। युद्ध के कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं, ब्याजदरों में वृद्धि, विदेशी मुद्रा संकट का असर केंद्र से मिलने वाले राजस्व में कटौती राज्यों की परेशानी बढ़ा रहा है। यदि यही स्थिति तीन-चार महीने और बनी रही, तो आने वाले महीनो में कई राज्य सरकारें कर्ज और खर्च के जाल में फंस सकती हैं। कई राज्य अभी भी नया कर्ज पुराने कर्ज को चुकाने के लिए लेने को विवश हो रहे हैं। राज्यों के ऊपर जिस तरह से आर्थिक संकट बढ़ता चला जा रहा है, इस संकट से निकलने के लिए राज्यों को कठोर आवश्यक कदम उठाने होंगे।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

ऊर्जा सुरक्षा, आपूर्ति शृंखलाओं को सुचारु बनाए रखने को समन्वित प्रयासः केंद्र

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच केंद्र सरकार ने कहा कि देश में बंदरगाह संचालन, ऊर्जा

आपूर्ति और डेयरी क्षेत्र सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। भारतीय नाविक सुरक्षित हैं, दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों की कीमतें स्थिर हैं तथा समुद्री बीमा के लिए विशेष फंड की व्यवस्था की गई है। ऊर्जा सुरक्षा, भारतीय प्रवासी समुदाय के कल्याण और आपूर्ति शृंखलाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं। बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने यहां मंगलवार को राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित अंतरमंत्रालयी पत्रकार वार्ता में कहा कि पश्चिमी तट के प्रमुख बंदरगाहों पर कंटेनर वॉल्यूम में भारी गिरावट दर्ज की गई है। आठ मार्च को जहां लगभग 3,383 कंटेनर थे, वहीं अब यह घटकर मात्र 99 रह गए हैं, यानी 97 प्रतिशत की कमी आई है। फिलहाल देशभर में बंदरगाह संचालन सामान्य है और यार्ड ऑक्युपेंसी कम हो गई है। सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने 'भारत मरीन इंश्योरेंस पूल' को पहले ही मंजूरी दे दी है, जिसके तहत 12,980 करोड़ रुपये का संप्रभु गारंटी फंड उपलब्ध कराया गया है ताकि समुद्री बीमा को सुगम बनाया जा सके। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत पश्चिम एशिया की स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है और खाड़ी देशों के साथ संपर्क तेज किया गया है। हाल के दिनों में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सऊदी अरब गए, विदेश मंत्री संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे, पेट्रोलियम मंत्री ने कतर का दौरा किया और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने खाड़ी देशों के अपने समकक्षों से कई बैठकें कीं।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष ने सिविल सेवा दिवस पर सिविल सेवकों को दी बधाई

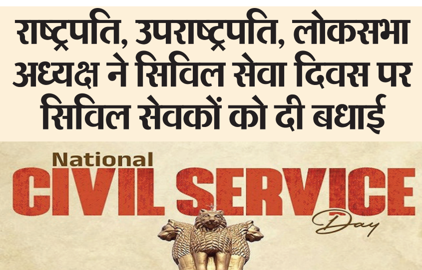

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला समेत कई प्रमुख नेताओं ने सिविल सेवा दिवस के अवसर पर मंगलवार को सिविल सेवकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उनके योगदान की सराहना की और सुशासन, पारदर्शिता तथा नागरिक-केंद्रित विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को महत्वपूर्ण बताया। राष्ट्रपति ने एक्स पर संदेश में सभी सिविल सेवकों को बधाई देते हुए कहा कि उत्तरदायी शासन को मजबूत करने और सार्वजनिक संस्थानों को सुदृढ़ करने में उनकी भूमिका अत्यंत अहम है। नवोन्मेषी और भविष्य उन्मुख नीतियों के निर्माण से लेकर उनके प्रभावी क्रियान्वयन तक, सिविल सेवकों का कार्य देश के करोड़ों लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सिविल सेवक ईमानदारी और सहानुभूति के साथ कार्य करते हुए समावेशी और प्रगतिशील भारत के निर्माण में योगदान देते रहेंगे। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने शुभकामनाएं देते हुए सिविल सेवकों के समर्पण और उत्कृष्ट सेवा की सराहना की।

आयात घटाना और प्रदूषण कम करना सरकार की प्राथमिकताः गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवाक तो कहा कि देश का परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र आधुनिक, सुरक्षित और टिकाऊ बनाने की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है। सरकार का उद्देश्य आयात कम करना, सस्ता और प्रदूषण मुक्त परिवहन उपलब्ध कराना तथा इसे स्वदेशी बनाना है। गडकरी ने यहां इंडिया हैबिटाट सेंटर में इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी (आईएफजीई) के 'ग्रीन ट्रांसपोर्ट कॉन्क्लेवः सस्टेनेबल और ग्रीन मोबिलिटी के भविष्य की ओर तेजी' कार्यक्रम में कहा कि आज देश में कुल ईंधन की जरूरत का 87 फीसदी आयात किया जाता है, जिसकी कीमत लगभग 22 लाख करोड़ रुपये है। पश्चिम एशिया संकट के चलते इस आयात पर निर्भरता के परिणाम देश को भुगतने पड़ रहे हैं। आत्मनिर्भर बनना ही सबसे बड़ा उद्देश्य है। नई तकनीक आने से पुराने उद्योगों में असुरक्षा की भावना पैदा होती है, इसके बावजूद आयात कम करना बेहद कठिन है। उन्होंने कहा कि इस आयात को रोकने के लिए दो चीजें हैं जिनका समाधान सरकार के पास नहीं है। जनसंख्या और ऑटोमोबाइल की तेजी से बढ़ती संख्या। कई घरों में चार लोग रहते हैं लेकिन गाड़ियों की संख्या सात या आठ होती है। स्क्रैपिंग नीति से अच्छे परिणाम मिल रहे हैं क्योंकि देश में कचरे की मात्रा बहुत बढ़ गई है। एल्यूमीनियम, तांबा, प्लास्टिक, रबर और स्टील का आयात होता है। यदि इनका पुनर्चक्रण किया जाए तो ऑटोमोबाइल की लागत 30 फीसदी तक कम हो जाती है।

ईरान पर समझौते का कोई दबाव नहीः ट्रंप

एजेंसी। वाशिंगटन/तेहरान

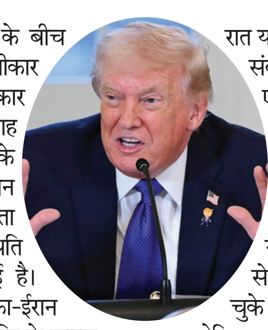

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि ईरान पर बुधवार को इस्लामाबाद में दूसरे दौर की शुरू होने वाली बातचीत में शामिल होने का कोई दबाव नहीं है। इस वार्ता में अमेरिकी पक्ष का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस करने वाले हैं। ट्रंप का बयान इस वार्ता के संदर्भ में ईरान की टिप्पणी के बाद आया है। ईरान ने कहा कि उसकी इस्लामाबाद वार्ता में हिस्सा लेने की अभी कोई योजना नहीं है। अमेरिकी सेना की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य पर तनाव सप्ताहांत में और बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने एक ईरानी जहाज पर गोलीबारी कर उसे जब्त कर लिया है। इसके बाद तेहरान ने अपने बंदरगाहों और निर्यात पर जारी नाकाबंदी के बीच कूटनीति वार्ता को स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया। सात सप्ताह से चल रहे इस युद्ध के कूटनीतिक समाधान का कोई स्पष्ट रास्ता न निकलने से स्थिति और पेचीदा हो गई है। इस सप्ताह अमेरिका-ईरान युद्ध विराम की समाप्ति के कारण और होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने की अनिश्चितता से वैश्विक तेल की कीमतों में इजाफा हुआ है। इससे अमेरिकी शेयर बाजार पर दबाव है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि समझौता करने के लिए ईरान पर "बिल्कुल भी कोई दबाव नहीं है।" उन्होंने सोमवार देर रात यह भी कहा कि ईरान से संवर्धित यूरेनियम लाना एक "लंबी और कठिन प्रक्रिया" होगी। ट्रंप ने कहा कि पिछले साल तेहरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिका ने हमला किया था। तब से हालात काफी बदल चुके हैं। इसलिए ईरान से यूरेनियम हासिल करना "लंबी" और "कठिन" प्रक्रिया होगी। उन्होंने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, "ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के तहत ईरान में मौजूद 'न्यूक्लियर डस्ट' (परमाणु धूल) वाले ठिकानों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया था। इसलिए अब उसे जमीन से खोदकर बाहर निकालना बहुत मुश्किल है। अमेरिका का आरोप है कि ईरान इस यूरेनियम का भंडारण इसलिए कर रहा है ताकि इसका इस्तेमाल परमाणु बम बनाने में किया जा सके। हालांकि ट्रंप का यह मानना है कि ईरान के पास मौजूद संवर्धित यूरेनियम का भंडार अंततः अमेरिकी क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया जाएगा, जबकि ईरान के विदेश मंत्रालय ने ऐसी किसी भी योजना को सिरे से खारिज किया है। इजराइली अधिकारियों ने कहा है कि पिछले जून में 12 दिन का युद्ध खत्म होने के बाद से तेहरान ने परमाणु हथियार हासिल करने की कोशिशें तेज कर दी हैं। सनद रहे यह युद्ध इजराइल ने शुरू किया था और इसमें अमेरिका ने तीन परमाणु ठिकानों पर बमबारी की थी। इसमें एक एनरिचमेंट प्लांट भी शामिल था।

हाईकोर्ट ने मोहन भागवत की जेड प्लस सुरक्षा पर खर्च को लेकर याचिका खारिज की

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत को मिली जेड प्लस सुरक्षा पर होने वाले खर्च को लेकर दायर जनहित याचिका को बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने खारिज कर दिया है। अदालत ने न केवल याचिका को अस्वीकार किया, बल्कि याचिकाकर्ता की मंशा पर भी सवाल उठाए। यह मामला हाईकोर्ट की नागपुर पीठ के समक्ष आया था, जहां मुख्य न्यायाधीश जस्टिस श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति जस्टिस अनिल किलोर की पीठ ने सुनवाई की। याचिका में दावा किया गया था कि भागवत को दी गई जेड प्लस सुरक्षा पर हर महीने लगभग 40 से 45 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं, जो करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग है। नागपुर निवासी ललन सिंह द्वारा दायर इस याचिका में कहा गया था कि चूंकि आरएसएस एक पंजीकृत संगठन नहीं है, इसलिए उसके प्रमुख को दी जा रही सुरक्षा का खर्च सरकार की बजाय संगठन को वहन करना चाहिए। याचिकाकर्ता ने अदालत से अनुरोध किया था कि इस खर्च की भरपाई संघ से कराई जाए। याचिका में मुकेश अंबानी से जुड़े एक मामले का भी हवाला दिया गया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में निर्देश दिया था कि उन्हें दी गई जेड प्लस सुरक्षा का खर्च उनके परिवार द्वारा उठाया जाए।

देश में गर्मी ने पकड़ा जोर, कई जगह पारा 45 डिग्री पर पहुंचा, विदर्भ में लू की मार

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में गर्मी का प्रकोप शुरू हो गया है। यूपी के बांदा में 17 अप्रैल को 45 डिग्री तापमान दर्ज करने वाला पहला शहर बना गया। विदर्भ के वर्धा में भी तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया है। दिल्ली में भी भीषण गर्मी को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। कई इलाकों में हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, विदर्भ और पूर्वी उत्तर प्रदेश में गर्मी का असर साफ दिखाई दे रहा है। नागपुर, गोंदिया, अमरावती समेत कई इलाकों में पारा 40 डिग्री से ऊपर पहुंच रहा है। पूरा विदर्भ क्षेत्र लू की मार झेल रहा है। इसके अलावा प्रयागराज, वाराणसी, सुल्तानपुर और फुर्सतगंज में लू का असर देखा जा सकता है। आने

वाले दिनों में भी विदर्भ, मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में तापमान ज्यादा रह सकता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के इलाकों में कुछ स्थानों पर तापमान 45 डिग्री तक पहुंच सकता है। 21 से 24 अप्रैल के बीच ओडिशा में भी तापमान बढ़ने के आसार हैं, बताया जा रहा है, फिलहाल गुजरात के कुछ हिस्सों में तापमान ज्यादा नहीं बढ़ेगा। इस हफ्ते पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के कुछ हिस्सों में भी लू की स्थिति बनने के आसार जताए जा रहे हैं।

किसानों के मन में भरोसा रहना चाहिए कि उनका गेहूं जरूर खरीदा जाएगाः शिवराज

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विदिशा संसदीय क्षेत्र में गेहूं उपार्जन व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। इस बैठक में विशेषकर विदिशा, सांची, गंजबासौदा, बुधनी, भोजपुर, खातेगांव और इछावर समेत सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों के विधायक एवं संबंधित जिलों के कलेक्टर तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। समीक्षा के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान ने खरीदी व्यवस्था को सुचारु और पारदर्शी बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों

को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों के साथ पूरा समन्वय करते हुए सभी खरीदी केन्द्रों पर पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। साथ ही बारदाने (बोरे) की उपलब्धता, स्लॉट बुकिंग प्रणाली और किसानों की सुविधा से जुड़े हर पहलू पर सतर्कता बरती जाए। इस अवसर पर शिवराज चौहान ने स्पष्ट कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा या परेशानी नहीं होनी चाहिए और उपार्जन प्रक्रिया को पूरी तरह व्यवस्थित, सरल और किसान हितैषी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि वे अधिकारियों से चर्चा कर खरीदी की अंतिम तिथि बढ़ाने, खरीदी की मात्रा में वृद्धि करने, अधिक तौल कांटे लगाने और आवश्यकता पड़ने पर छुट्टी के दिन भी खरीदी जारी रखने जैसे विषय पर चर्चा करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि इस संबंध में, मध्यप्रदेश शासन और मुख्यमंत्री से भी विस्तृत चर्चा करेंगे, ताकि गेहूं खरीदी की सभी व्यवस्थाएं बेहतर और संतुलित ढंग से सुनिश्चित की जा सकें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और पूरी प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो इस दिशा में कृषि मंत्रालय काम कर रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे 14 भारतीय जहाज, ईरानी फायरिंग के बाद भारत सख्त

एजेंसी। नई दिल्ली

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हालिया तनाव के बीच भारत ने अपने 14 फंसे जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए बड़े स्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी है। 18 अप्रैल को ईरान के इस्लामिक रेवोलशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) द्वारा दो भारतीय जहाजों पर की गई फायरिंग की घटना को भारत सरकार ने गंभीरता से लिया है और तत्काल कूटनीतिक कदम उठाए हैं। घटना के बाद भारत ने ईरान के राजदूत को तलब कर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने ईरानी प्रतिनिधि से मुलाकात कर इस क्षेत्र से गुजर रहे भारतीय जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। वहीं, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जैसवाल ने कहा कि भारत लगातार

कूटनीतिक दबाव बढ़ाया, नौसेना के 7 युद्धपोत तैनात

ईरानी अधिकारियों के संपर्क में है और जहाजों को सुरक्षित रास्ता दिलाने के प्रयास जारी हैं। यूनाइटेड किंगडम मार्टिम ट्रेड ऑप्रेशन्स की रिपोर्ट के अनुसार, 18 अप्रैल को तीन जहाजों को निशाना बनाया गया, जिनमें से दो भारतीय थे। पहली घटना में एक भारतीय तेल टैंकर के पास ईरानी गनबोट पहुंचीं और बिना चेतावनी फायरिंग शुरू कर दी। हालांकि, चालक दल सुरक्षित रहा और जहाज को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ, सिर्फ कुछ कांच टूटने की सूचना मिली। दूसरी घटना ओमान के तट के पास हुई, जहां एक अन्य भारतीय सुपरटैंकर पर अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला किया गया। इस घटना ने इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भारतीय नौसेना ने क्षेत्र में सात युद्धपोत तैनात कर दिए हैं, जो फंसे जहाजों को एस्कॉर्ट कर रहे हैं। साथ ही जहाजों को Larak Island से दूर रहने और अनुमति मिलने पर ही आगे बढ़ने की सलाह दी गई है। फिलहाल, हॉर्मुज क्षेत्र में 14 भारतीय जहाज लंगर डाले हुए हैं, जिनमें तीन बड़े तेल टैंकर और एक एलपीजी कैरियर शामिल हैं। इससे पहले फरवरी में तनाव बढ़ने के बाद भारत 10 जहाजों को सुरक्षित निकाल चुका है।

तमिलनाडु चुनावः स्टालिन की होगी वापसी, बीजेपी खाता खुलना भी मुश्किल!

चेन्नई। तमिलनाडु की 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। सरकार बनाने के लिए 118 सीटें की

जरुरत होती है। मुकाबला डीएमके और एआईएडीएमके के बीच है। एक तरफ सीएम एमके स्टालिन का द्रविड़ियन मॉडल और उनकी पॉपुलर योजनाएं हैं, दूसरी तरफ जयललिता की विरासत संभाल रही एआईएडीएमके और बीजेपी गठबंधन है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु में स्टालिन सरकार की वापसी हो सकती है। डीएमके गठबंधन को 120 से 140 सीटें मिल सकती हैं। इनमें डीएमके को 100 से 110, कांग्रेस को 10 से 15 और गठबंधन की बाकी पार्टियों को 10 से 15 सीटें मिल सकती हैं। 2021 में डीएमके को 133 और कांग्रेस को 18 सीटें मिली थीं। गठबंधन ने 159 सीटें जीती थीं। डीएमके ने अपने दम पर बहुमत हासिल किया था। वहीं दूसरी बड़ी पार्टी एआईएडीएमके के गठबंधन को 90 से 100 सीटें मिल सकती हैं। एआईएडीएमके को 70 से 80 सीटें मिलने के आसार हैं।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास खबर

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई समेत 11 आरोपितों के विरुद्ध मकोका मामले में आरोप तय

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई समेत 11 आरोपितों के विरुद्ध मकोका मामले में आरोप तय कर दिया है। एडिशनल सेशंस जज प्रशांत शर्मा ने बिश्नोई के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया। कोर्ट ने लॉरेंस बिश्नोई के विरुद्ध मकोका की धारा 3 और 4 आर्म्स एक्ट के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया। लॉरेंस बिश्नोई पर दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और उत्तर प्रदेश में क्राइम सिंडिकेट चलाने का आरोप है। कोर्ट ने लॉरेंस बिश्नोई के साथ जिन आरोपितों के विरुद्ध आरोप तय करने का आदेश दिया है उनमें संपत नेहरा, जगदीप उर्फ जग्गु, राजकुमार उर्फ राजू बसोदी, रविंदर सिंह उर्फ काली शूटर, नरेश उर्फ सेठी, प्रियव्रत उर्फ काला, अनिल रोहिला उर्फ लीला, राहुल उर्फ सांगा, सचिन उर्फ भांजा और अक्षय अंतिल उर्फ पालदा शामिल हैं। इन आरोपितों के विरुद्ध दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 2021 में एफआईआर दर्ज की थी। लॉरेंस बिश्नोई पर राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने भी केस दर्ज कर रखा है। एनआईए ने बिश्नोई के खिलाफ यूएपीए की धारा 17, 18, 18बी और 38 के तहत मामला दर्ज किया है। इस मामले में एनआईए चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। एनआईए के मुताबिक बिश्नोई आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है।

दिल्ली से बिना महरम महिलाओं का समूह हज यात्रा के लिए रवाना

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। सऊदी एयरलाइंस की सातवीं हज उड़ान संख्या एस.वी.-5909 के जरिए 43 महिलाएं, बिना महरम के दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से हज की अदायगी के लिए मंगलवार को दोपहर 3:10 बजे रवाना हुईं। इस अवसर पर एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर दिल्ली स्टेट हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां, हज कमेटी के कार्यकारी अधिकारी अशफाक अहमद

आरफी, उप-कार्यकारी अधिकारी मोहसिन अली और हज कमेटी के अन्य स्टाफ ने इन महिलाओं का स्वागत किया और फूलों से सम्मानित कर उन्हें हज के सफर पर रवाना किया। चेयरपर्सन कौसर जहां ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की इस सराहनीय पहल से अब समाज के हर वर्ग के लिए सहूलियतें पैदा हो रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की पहल पर बिना महरम (बिना आधिकारिक पुरुष साथी) के महिलाओं का हज यात्रा पर जाना धार्मिक महत्व के अलावा महिला सशक्तिकरण का एक महत्वपूर्ण उदाहरण भी है। उल्लेखनीय है कि आज दिल्ली से हज यात्रा पर रवाना होने वाली 43 महिलाओं में से 12 महिलाएं दिल्ली से, 21 उत्तर प्रदेश से, 3 बिहार से, 4 जम्मू-कश्मीर से, 2 मध्यप्रदेश से और 2 उत्तराखंड से हैं। 18 अप्रैल से शुरू हुई हज उड़ानों की श्रृंखला की यह सातवीं उड़ान थी, जिसके तहत कुल 2721 हज यात्री हज की अदायगी के लिए मदीना रवाना हो चुके हैं। अब तक रवाना होने वाले यात्रियों में 1423 पुरुष और 1298 महिलाएं शामिल हैं। आगामी 20 मई तक सऊदी एयरलाइन की 54 उड़ानों के माध्यम से दिल्ली स्टेट सहित उत्तरी भारत के विभिन्न राज्यों के 21,100 से अधिक हज यात्री पवित्र हज यात्रा के लिए जेद्दा के रास्ते मक्का शहर रवाना होंगे। इस वर्ष दिल्ली से हज यात्रा के लिए पहले चरण में कुल 31 उड़ानों के माध्यम से 12240 हज यात्री रवाना होंगे, जबकि दूसरे चरण में कुल 23 उड़ानों से 8860 हज यात्री प्रस्थान करेंगे। दिल्ली राज्य के हज यात्रियों की संख्या 3196 है।

न्यायिक अधिकारियों को पर्याप्त सुरक्षा देने में नाकाम रहने पर दिल्ली पुलिस और सरकार को फटकार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली के न्यायिक अधिकारियों को पर्याप्त सुरक्षा देने में नाकाम रहने पर दिल्ली पुलिस और सरकार को फटकार लगाई। जस्टिस मनोज जैन की बेंच ने कहा कि हम कोई भी कार्रवाई करने से पहले किसी अनहोनी घटना का इंतजार नहीं कर सकते हैं। मामले की अगली सुनवाई 12 मई को होगी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पूछा कि साफ साफ रिस्क दिखने के बावजूद सुरक्षा क्यों नहीं मुहैया कराई गई। कोर्ट ने इस मामले में सरकार के जवाब को असंवेदनशील करार दिया और कहा कि ये गंभीरता को दिखाता है। कोर्ट ने इस बात पर गौर किया कि सुरक्षा को लेकर हुई बैठक में चिंताओं पर ध्यान नहीं दिया गया। कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और दिल्ली पुलिस को एक हफ्ते के अंदर जजों की सुरक्षा को लेकर बैठक करने का आदेश दिया। उल्लेखनीय है कि 24 मार्च को कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया था कि वो निचली अदालतों के जजों की सुरक्षा की समीक्षा को लेकर एक हफ्ते में बैठक करें। कोर्ट ने कहा था कि न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। याचिका निचली अदालत के न्यायिक अधिकारियों के संगठन जुडिशियल सर्विस एसोसिएशन ऑफ दिल्ली ने दायर की है। याचिका में मांग की गई है जजों को निजी सुरक्षा अधिकारी उपलब्ध कराए जाएं। इसके अलावा जजों के आवास पर भी सुरक्षा के इंतजाम किए जाएं। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कीर्ति उप्पल ने कहा कि कई जज बिना किसी सुरक्षा के यात्रा करते हैं। कई बार तो उनका पीछा किया जाता है और रोड पर धमकी दी जाती है और बदतमीजी से पेश आया जाता है। याचिका में कहा गया है कि जज रोजाना गंभीर अपराधों से जुड़े केसों को देखते हैं। दिल्ली की अदालतों में कई बार कोर्ट परिसर में गोलियां चलने की घटनाएं भी घट चुकी हैं। उप्पल ने एक घटना का जिक्र किया जिसमें एक महिला जज को धमकी दी गई कि अगर सुरक्षित रहना है तो वो चुप रहे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और गुजरात में जजों को सुरक्षा के अलग से उपाय किए गए हैं। सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की ओर से पेश वकील संजय लॉ ने कहा कि सरकार इसे लेकर गंभीर है और वो उचित कदम उठाएगी।उच्च न्यायालय ने इस बात पर गौर किया कि याचिकाकर्ता संगठन ने दिल्ली उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को इस संबंध में प्रतिवेदन दिया था, लेकिन उन्हें ये नहीं बताया गया कि क्या कार्रवाई की गई। तब कोर्ट ने उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार को भी पक्षकार बनाने का निर्देश दिया।

मुस्लिम धर्मगुरु पर धार्मिक पहचान के आधार पर हमले की जांच में लापरवाही को लेकर यूपी पुलिस को फटकार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने नोएडा में 2021 में मुस्लिम धर्मगुरु पर धार्मिक पहचान के आधार पर हमले की जांच में लापरवाही को लेकर यूपी पुलिस को फटकार लगाई है। जस्टिस विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली बेंच ने यूपी पुलिस से पूछा कि कोर्ट के आदेश के बावजूद भारतीय दंड संहिता की धारा 153बी को एफआईआर में क्यों नहीं जोड़ा गया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि उसके स्पष्ट निर्देश के बावजूद एफआईआर में भारतीय दंड संहिता की धारा 153बी और 295ए को शामिल क्यों नहं किया गया। कोर्ट ने यूपी सरकार की ओर से पेश एएसजी केएम नटराज से पूछा कि जांच अधिकारी कोर्ट के साथ लुका-छिपी क्यों खेल रहा है। तब नटराज ने कोर्ट को बताया कि आगे की जांच के लिए जरूरी अनुमति मांगी गई है और चार्जशीट दाखिल करते समय संबंधित धाराएं जोड़ी जा सकती हैं। इसका याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने विरोध करते हुए कहा कि 2023 में दर्ज एफआईआर में जानबूझकर धारा 153बी हटाई गई जबकि कोर्ट ने इसे जोड़ने के निर्देश दिए थे। तब कोर्ट ने कहा कि जांच अधिकारी को पेश होकर ये बताना होगा कि हमारे स्पष्ट आदेश के उसका पालन क्यों नहीं किया गया।

दवाब की राजनीति कर रहे केजरीवालः बांसुरी स्वराज

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर दवाब की राजनीति करने का आरोप लगाया है। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का एक आदेश आया। इसमें जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने केजरीवाल की दबाव की रणनीति को खारिज करते हुए न्यायिक स्वतंत्रता का एक नया आयाम स्थापित किया है, जिसका अभिनंदन और स्वागत हैं। स्वराज ने कहा कि ये बात साबित हो गई है कि आआपा एक ड्रामा कंपनी है और केजरीवाल उसके निर्देशक हैं। केजरीवाल ये बात भूल गए कि इस देश की न्याय प्रणाली उनकी सुविधा से नहीं चलती, इस देश की न्याय प्रणाली संविधान और कानून के तहत चलती है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने 9 मार्च को आए आदेश के बाद, 11 मार्च को दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के सामने अर्जी लगाई कि जस्टिस स्वर्णकांता की पीठ से ये केस हटा दिया जाए। केजरीवाल को 9 मार्च को आया आदेश पसंद नहीं आया। केजरीवाल की दबाव की रणनीति को खारिज करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने उनके केस के तबादले की मांग को अस्वीकार कर दिया था। 13 मार्च को उन्होंने जस्टिस स्वर्णकांता की बेंच के समक्ष अर्जी लगाई और कहा कि हमें आप पसंद नहीं हैं, आप स्वयं ही इस केस को त्याग दीजिए। इसके बाद शुरू हुआ इस देश की न्यायपालिका के खिलाफ सोचा समझा षड्यंत्र। सांसद स्वराज ने कहा कि आआपा ने नैरेटिव कंट्रोल करने के लिए जस्टिस स्वर्णकांता के खिलाफ एक घिनौना मीडिया और सोशल मीडिया अभियान चलाया। जस्टिस स्वर्णकांता पर व्यक्तिगत आरोप लगाए गए और उनके बच्चों के खिलाफ भी आरोप लगाए गए। यह किसी न्यायाधीश का मामला नहीं था, बल्कि एक निर्णायक षड्यंत्र था। उन्होंने कहा कि केजरीवाल डरे हुए हैं। उल्लेखनीय है कि उच्च न्यायालय ने सोमवार को आबकारी घोटाला मामले में जस्टिस स्वर्ण कांता को अलग करने की मांग वाली केजरीवाल एवं अन्य की अर्जियों को सिरे से खारिज करते हुए कई अहम टिप्पणियां कीं।जस्टिस स्वर्ण कांता ने टिप्पणी की कि उनके बच्चों के केंद्र सरकार के पैनल में वकील होने या किसी कार्यक्रम में उनके शामिल होने के आधार पर यह नहीं माना जा सकता है कि केजरीवाल के प्रति उनके मन में कोई पूर्वाग्रह है और किसी राजनेता की न्यायिक क्षमता को आंकने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

जमाअत के उपाध्यक्ष ने मणिपुर में बढ़ती हिंसा पर गहरी चिंता व्यक्त की

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के उपाध्यक्ष प्रो. सलीम इंजीनियर ने मणिपुर में दोबारा हिंसा बढ़ने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाएँ एक गंभीर मानवीय और नागरिक स्वतंत्रता संकट को दर्शाती हैं। अधिकारियों द्वारा तत्काल और जवाबदेह हस्तक्षेप की आवश्यकता है। मीडिया को जारी एक बयान में प्रो. सलीम इंजीनियर ने कहा, "अपने ही घर में दो छोटे बच्चों की दुखद हत्या, साथ ही विरोध प्रदर्शनों के दौरान आम नागरिकों की मौतें एवं अलग-अलग घटनाओं में नागरिकों व एक सुरक्षाकर्मी की हत्या विचलित करने वाली हैं और मासूम जिंदगियों की रक्षा करने में हुई गंभीर विफलता को दर्शाती हैं। ऐसी घटनाओं की बिना किसी किंतु-परंतु के कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए, चाहे इसके लिए कोई भी ज़िम्मेदार क्यों न हो।" सुरक्षाकर्मियों द्वारा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ जानलेवा बल के इस्तेमाल की जो खबरें आई हैं वे स्थापित मानदंडों के पालन और उसकी आनुपातिकता को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। यह अत्यंत आवश्यक है कि सभी घटनाओं—जिनमें शुरुआती हमला और उसके बाद की गोलीबारी शामिल है—की एक स्वतंत्र, निष्पक्ष और समय-सीमा के भीतर जांच की जाए, ताकि जवाबदेही सुनिश्चित हो और जनता का विश्वास बहाल हो सके।"

खरगे बोले- तमिलनाडु में डीएमके-कांग्रेस गठबंधन प्रचंड बहुमत से दोबारा सरकार बनाने जा रहा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः तमिलनाडु विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जमीनी रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा कि प्रदेश में डीएमके-कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन प्रचंड बहुमत से दोबारा सरकार बनाने जा रहा है। खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर चुनाव के बीच में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए इसे पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया। चेन्नई में पत्रकार वार्ता के दौरान दूरदर्शन पर प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन की ओर इशारा करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री ने चुनाव आचार संहिता के बीच विपक्षी पार्टियों को बदनाम करने के लिए सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया। चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि वह भाजपा कार्यालय के विस्तार के रूप में काम कर रहा है। खरगे ने यह सवाल भी उठाया कि आखिर चुनाव के वक्त ही केंद्रीय एजेंसियों द्वारा छापेमारी क्यों की जाती है? केवल विपक्षी दलों को ही क्यों निशाना बनाया जाता है? उन्होंने आगाह किया कि अगर सरकारी मशीनरी का इसी तरह दुरुपयोग होता रहा, तो भारतीय लोकतंत्र कमजोर हो जाएगा और जनता को न्याय नहीं मिल पाएगा। उन्होंने पीएम मोदी और अमित शाह पर धनबल और बाहुबल के जरिए चुनी हुई सरकारों को गिराने का भी आरोप लगाया।

भारत ने यूएनएससी सुधारों पर आईजीएन बैठक में विस्तार पर दिया जोर

लोकतंत्र की शान

न्यूयॉर्क। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में सुरक्षा परिषद सुधारों पर अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) बैठक में भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य दिया। जॉर्ज ने परिषद के विस्तार की मांग दोहराते हुए कहा कि वर्तमान संरचना विकासशील देशों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं करती है। विदेश मंत्रालय ने जॉर्ज के संबोधन से जुड़ा एक आधिकारिक बयान जारी किया, जिसमें बताया गया कि सचिव (पश्चिम) ने सुरक्षा परिषद सुधारों के प्रति भारत के दृष्टिकोण और अफ्रीकी मॉडल के बीच समानताएं रेखांकित कीं। उन्होंने यूएन के मंच पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में ग्लोबल साउथ, विशेष रूप से अफ्रीकी देशों के बेहतर प्रतिनिधित्व की आवश्यकता पर बल दिया। जॉर्ज ने कहा वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक संस्थानों में सुधार आवश्यक हैं और परिषद के वर्तमान स्वरूप को बदलना समय की मांग है। इस दौरान उन्होंने यूएनएससी में स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों में विस्तार की आवश्यकता पर जोर देते हुए तर्क दिया कि सुरक्षा परिषद का वर्तमान ढांचा विकासशील देशों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं करता है। उन्होंने संकेत दिया कि सुधारों को टालना वैश्विक सुरक्षा और शांति के लिए हानिकारक है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा सेक्रेटरी (वेस्ट) ने आईजीएन बैठक में ग्लोबल साउथ के अधिक प्रतिनिधित्व की जरूरत पर जोर दिया, खासकर स्थायी श्रेणी में। उन्होंने यूएन सुरक्षा परिषद में सुधारों को लेकर भारत के दृष्टिकोण और अफ्रीकी मॉडल के बीच की समानताओं को रेखांकित किया। इसके साथ ही जॉर्ज ने 2026 ईकोसॉक फोरम की आम बहस में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया, जहां उन्होंने एक निष्पक्ष और समावेशी वैश्विक वित्तीय प्रणाली की वकालत की। इस बारे में जानकारी देते हुए प्रवक्ता जायसवाल ने एक अन्य पोस्ट में लिखा सेक्रेटरी (वेस्ट) ने विकास के लिए वित्तपोषण पर 2026 ईकोसॉक फोरम की आम बहस में भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य दिया। उन्होंने 4 खरब डॉलर के एसडीजी वित्तपोषण अंतर को पाटने के लिए एक निष्पक्ष, समावेशी और विकास-उन्मुख वैश्विक वित्तीय प्रणाली की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि आईएफआई में सुधार करना, ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूत करना और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को लागू करना, सेविले प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। यूएन की बैठकों में शामिल होने न्यूयॉर्क के दौरे पर गए जॉर्ज ने इससे इतर संयुक्त राष्ट्र के ऑपरेशनल सपोर्ट विभाग के अवर-महासचिव अतुल खरे के साथ विस्तृत चर्चा की, जिसमें उन्होंने बहुपक्षवाद के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता और संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा में उसके उल्लेखनीय योगदान की पुनः पुष्टि की। इसके अलावा उन्होंने राजनीतिक और शांति-निर्माण मामलों तथा शांति अभियानों के विभागों में मध्य-पूर्व, एशिया और प्रशांत क्षेत्र के सहायक महासचिव खियारी खालिद से भी मुलाकात की। दोनों के बीच विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई, जिसमें संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया।

नकली इनो, नेस्कैवे बनाने वाले नेटवर्क का भंडाफोड़, 20 लाख का माल जब्त, चार गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच (सदर्न रेंज) और साइबर सेल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दिल्ली में नकली इनो पाउडर और नकली नेस्कैफे कॉफी बनाने वाले बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पूर्वी दिल्ली के मधु विहार इलाके में चल रही इस अवैध फैक्ट्री से करीब 20 लाख रुपये कीमत का सामान बरामद किया गया है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर मधु विहार स्थित दो फ्लैटों में छापेमारी की गई। यहां अवैध रूप से इनो और नेस्कैफेके नकली उत्पाद तैयार किए जा रहे थे। मौके पर मशीनों के जरिए बड़े पैमाने पर पैकिंग का काम चल रहा था। पुलिस ने करीब एक लाख इनो के सैशे और करीब 50 हजार नकली नेस्कैफे कॉफी सैशे बरामद किए, जो बाजार में सप्लाई के लिए तैयार थे। क्राइम ब्रांच के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार पुलिस कार्रवाई के दौरान तीन फिलिंग मशीन, भारी मात्रा में कच्चा माल, करीब 500 किलो कॉफी पाउडर, एसिड से भरे ड्रम, पैकेजिंग सामग्री, स्टिकर, फॉयल रोल, कार्टन और अन्य उपकरण भी जब्त किए गए। जांच में सामने आया कि आरोपित पिछले दो महीनों से इस अवैध धंधे को चला रहे थे। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान उत्तम दास (23) और पापाई दास बराग्या उर्फ पंकज (19) के रूप में है। यह दोनों शास्त्री नगर के रहने वाले है।जबकि नितिन भारद्वाज (38) गीता कॉलोनी का और संजय बंसल (50) त्रिनगर का रहने वाला है। पुलिस ने पहले दो आरोपितों को मौके से गिरफ्तार किया, जबकि मुख्य आरोपित नितिन भारद्वाज को तकनीकी निगरानी के आधार पर देहरादून के सहस्त्रधारा से दबोचा गया। इसके बाद संजय बंसल को कश्मीरी गेट के पास से गिरफ्तार किया गया, जब वह शहर छोड़ने की कोशिश कर रहा था। पूछताछ में खुलासा हुआ कि यह पूरा रैकेट सुनियोजित तरीके से चलाया जा रहा था। आरोपित नामी कंपनियों के ब्रांड का दुरुपयोग कर नकली उत्पाद तैयार करते थे और उन्हें देशभर के थोक और खुदरा बाजारों में सप्लाई करते थे। वहीं जांच के दौरान संबंधित कंपनियों के प्रतिनिधियों को भी बुलाया गया। जिन्होंने बरामद इनो और कॉफी उत्पादों को पूरी तरह नकली करार दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये उत्पाद उनकी कंपनी द्वारा न तो बनाए गए हैं और न ही किसी अधिकृत डीलर के जरिए सप्लाई किए गए हैं।इस मामले में क्राइम ब्रांच थाना में एफआईआर नंबर 86/26 दर्ज कर ली गई है। आरोपितों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। जिसमें धोखाधड़ी, जालसाजी, सार्वजनिक स्वास्थ्य को खतरे में डालने और आपराधिक साजिश जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी को लेकर खरगे के बयान की भाजपा ने की कड़ी निंदा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'आतंकवादी' कहे जाने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह बयान कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है। भाजपा सांसद डॉ. संबित पात्रा ने मंगलवार को एक वीडियो संदेश जारी कर कांग्रेस अध्यक्ष के बयान की निंदा करते हुए कहा कि यह गलती से दिया गया बयान नहीं बल्कि जानबूझकर दिया गया है। डॉ. संबित पात्रा ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से राहुल गांधी भी प्रधानमंत्री मोदी के लिए तू तड़ाक की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब-जब कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी का अपमान किया, तब-तब देश की जनता ने कांग्रेस को दंडित किया है। वहीं, भाजपा नेता अमित मालवीय ने एक्स पर अपने बयान में कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को "आतंकवादी" कहा। यह पहली बार नहीं है जब खरगे ने सार्वजनिक चर्चा को इस स्तर तक गिराया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सार्थक बहस करने के बजाय भारत के सबसे लोकप्रिय नेता का अपमान और मानहानि करने में जुट गई है।उल्लेखनीय है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 21 अप्रैल को तमिलनाडु विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को "आतंकवादी" कहा। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन कांग्रेस अध्यक्ष ने एआईएडीएमके के एनडीए में शामिल होने के खिलाफ इस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया।खरगे ने बाद में स्पष्ट किया कि उनका मतलब प्रधानमंत्री मोदी द्वारा केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर विपक्ष को "डराने" से था, न कि उन्हें वास्तविक आतंकवादी बताने से।

भारत ने यूएन पर्यावरण कार्यक्रम में सतत विकास के लिए जताई प्रतिबद्धता

लोकतंत्र की शान

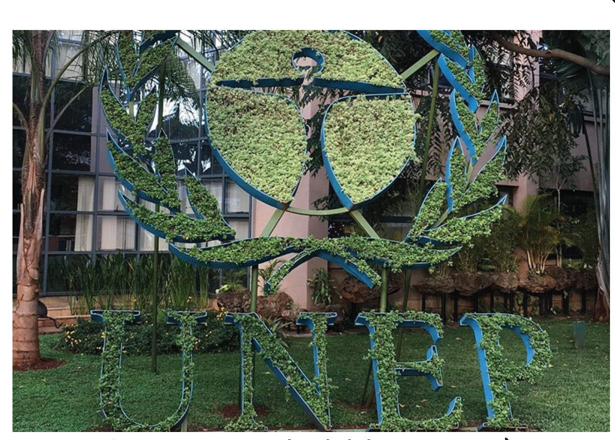

नैरोबी। केन्या के नैरोबी में आयोजित संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की स्थायी प्रतिनिधियों की समिति की 173वीं बैठक में भारत ने अपना राष्ट्रीय वक्तव्य प्रस्तुत किया।केन्या में भारतीय उच्चायुक्त और यूएनईपी में भारत के स्थायी प्रतिनिधि डॉ. आदर्श स्वैका ने पर्यावरण के मोर्चे पर भारत द्वारा की गई सकारात्मक और ठोस कार्रवाइयों को रेखांकित किया। उन्होंने बैठक में भारत का पक्ष रखते हुए स्पष्ट किया कि भारत ने वैश्विक पर्यावरण शासन और सतत विकास के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया है। भारतीय प्रतिनिधि ने जोर देते हुए कहा भारत ने पर्यावरण संरक्षण और सतत पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अपनी नीतियों, विशेषकर 'मिशन लाइफ' के सिद्धांतों को वैश्विक मंच पर साझा किया है। केन्या स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा स्थायी प्रतिनिधि आदर्श स्वैका ने नैरोबी स्थित यूएनओएन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की स्थायी प्रतिनिधियों की समिति की बैठक में भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने पर्यावरण के क्षेत्र में भारत द्वारा की गई सकारात्मक पहलों को रेखांकित करते हुए, वैश्विक पर्यावरण शासन और सतत विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। भारत समय-समय पर 'ग्लोबल साउथ' यानी विकासशील देशों के लिए पर्याप्त और अनुमानित जलवायु वित्त (क्लाइमेट फाइनेंस) की उपलब्धता की आवश्यकता पर भी जोर देता रहा है। इससे पहले भारत ने यूएनईए-6 में 'सतत जीवन शैली की ओर व्यवहार परिवर्तन' पर एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव प्रस्तुत किया था, जो 'मिशन लाइफ' से प्रेरित है। जबकि दिसंबर 2025 में यूएनईए-7 के दौरान भारत के उस प्रस्ताव को स्वीकार किया गया, जिसमें दावानल (वाइल्डफायर) के प्रबंधन के लिए वैश्विक प्रतिक्रिया को मजबूत करने की बात कही गई थी। भारत ने सकारात्मक परिणामों के लिए एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक को समाप्त करने और सतत नाइट्रोजन प्रबंधन पर वैश्विक प्रस्तावों का नेतृत्व भी किया है। यूएनईपी और भारत सरकार मिलकर ओडिशा, बिहार और गुजरात जैसे राज्यों में 'पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित आपदा जोखिम न्यूनीकरण' (ईको-डीआरआर) पर काम कर रहे हैं, जिसमें आर्द्रभूमि (वेटलैंड्स) के संरक्षण पर जोर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

डीएम को राष्ट्रीय पुरस्कार पर पूर्व सैनिकों ने दी बधाई

बैठक में बुके देकर किया सम्मान

लोकतंत्र की शान : बिजनौर। जिला सैनिक बंधु की बैठक में पूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान को लेकर प्रशासन ने गंभीरता दिखाई। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए और पूर्व सैनिकों की शिकायतों को प्राथमिकता से हल करने का भरोसा दिलाया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि पिछली बैठक के सभी लंबित मामलों को संबंधित विभागों के माध्यम से जल्द निपटाया जाए। यदि किसी विभागीय स्तर पर समस्या आती है तो उसे तत्काल उनके संज्ञान में लाया जाए, ताकि समाधान सुनिश्चित किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि पूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उनकी शिकायतों का प्रभावी एवं समयबद्ध निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सैनिक बंधु बैठक पूर्व सैनिकों को अपनी समस्याएं रखने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है, जिसका अधिकतम लाभ उन्हें दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है। बैठक के दौरान पूर्व सैनिकों ने सड़क, भूमि विवाद, शस्त्र लाइसेंस और अवैध अतिक्रमण से जुड़ी समस्याएं रखीं। जिलाधिकारी ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए और शिकायतकर्ताओं को शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पूर्व सैनिकों ने जिलाधिकारी को एसआईआर कार्यक्रम में राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर बुके भेंट कर बधाई भी दी। बैठक में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन अनिल गुप्ता सहित अन्य अधिकारी और पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार बनी काल, दो की मौके पर मौत

आमने-सामने टकराए वाहन, इलाके में मचा हड़कंप

लोकतंत्र की शान : बिजनौर। धामपुर थाना क्षेत्र में नूरपुर रोड पर देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और परिजनों में कोहराम छा गया। जानकारी के अनुसार वजीदपुर निवासी समीर (22) और रिहान उर्फ उजेब (21) बाइक से धामपुर की ओर जा रहे थे। वहीं नींदडू निवासी मोहम्मद कैफ (20) और शेरकोट निवासी सूफियान (20) स्कूटी से अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही दोनों वाहन नूरपुर रोड स्थित एक पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार समीर और स्कूटी चालक

कैफ की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि रिहान और सूफियान गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की खबर मिलते ही मृतकों के परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। धामपुर क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे ने बताया कि प्रथम दृष्टया हादसे का कारण तेज रफ्तार और दृश्यता में कमी माना जा रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि गेहूं की कटाई के दौरान उड़ रही धूल भी दुर्घटना का एक कारण हो सकती है, जिसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पर्यटन को बढ़ावा देने की पहल, नई बस सेवा प्रस्तावित

जिले के प्रमुख स्थलों को जोड़ने की योजना पर काम शुरू

लोकतंत्र की शान : बिजनौर। जिले में पर्यटन और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन ने नई पहल की तैयारी शुरू कर दी है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला उद्योग बंधु की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने "बिजनौर टाइगर-गंगा हेरिटेज" नाम से विशेष बस सेवा शुरू करने की कार्ययोजना तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने एआरएम रोडवेज को निर्देशित किया कि प्रस्तावित बस सेवा के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार कर शीघ्र शासन को प्रेषित की जाए, ताकि जिले के पर्यटन स्थलों को बढ़ावा मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने फ्लाई ऐश आधारित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए पीडब्ल्यूडी द्वारा ब्रिक्स चैप्टर के एसओआर में दरें निर्धारित करने के प्रस्ताव पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने औद्योगिक नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि अधिक से अधिक निवेश आकर्षित कर रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएं। उन्होंने निवेशकों को बेहतर सुविधाएं देने और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित मामलों को जल्द निपटाने को कहा। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत बैंकों को निर्देशित किया गया कि आवेदनों की गुणवत्ता के साथ जांच कर स्वीकृति दी जाए, ताकि अधिक से अधिक लाभार्थियों को योजना का लाभ मिल सके। एमओयू क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने हस्ताक्षरित समझौतों को जल्द धरातल पर लाने के निर्देश दिए। बैठक में उद्यमियों ने बिजली, सड़क, परिवहन, भूमि आवंटन, बैंक ऋण और प्रदूषण अनुमति से जुड़ी समस्याएं उठाईं, जिन पर जिलाधिकारी ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की गई।

महिला अधिकार के लिए सड़क पर उतरे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक को लोकसभा में विपक्ष द्वारा पारित नहीं होने देने के विरोध में मंगलवार को राजधानी लखनऊ ऐतिहासिक जनाक्रोश का साक्षी बना, जब महिला अधिकार के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं सड़क पर उतरे। उनके नेतृत्व में हजारों महिलाओं का हुजूम मुख्यमंत्री आवास से सिविल हॉस्पिटल होते हुए विधान भवन तक उमड़ पड़ा। इस जनाक्रोश पदयात्रा में सीएम योगी के साथ पूरा मंत्रिमंडल सड़क पर उतरा दिखाई दिया। यह कोई साधारण पदयात्रा या रैली नहीं थी, यह नारी सम्मान और उसके संवैधानिक अधिकारों पर हुए हमले का सीधा और बेहद तीखा जवाब था। विधान भवन के सामने महिलाओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को विधानसभाओं एवं लोकसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है, किंतु कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके सहित इंडी गठबंधन के दलों द्वारा इसे बाधित करने का प्रयास उनके अलोकतांत्रिक और महिला-विरोधी चेहरे को उजागर करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इन दलों को अपनी नकारात्मक छवि सुधारने का अवसर दिया गया था, किंतु इन्होंने उसका दुरुपयोग करते हुए महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी अन्याय के विरोध में देशभर में आधी आबादी सड़कों पर उतरकर लोकतांत्रिक ढंग से अपना आक्रोश प्रकट कर रही है। लखनऊ में प्रचंड गर्मी के बावजूद हजारों की संख्या में मातृशक्ति की सहभागिता प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों के प्रति व्यापक जनसमर्थन और आशीर्वाद का प्रतीक है। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि प्रदेश का एक-एक नागरिक आधी आबादी की इस न्यायोचित मांग के साथ मजबूती से खड़ा है।

नगर विकास को नई दिशाः चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान की सभासदों से औपचारिक भेंट

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

सम्भल। नगर पालिका परिसर में चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान ने सभी सम्मानित सभासदों से औपचारिक भेंट की। इस दौरान नगर के विकास कार्यों को लेकर सकारात्मक संवाद हुआ और विभिन्न जनहित से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। चौधरी मुशीर अली खान ने सभासदों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनकी समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना तथा आश्वासन दिया कि नगर के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि नगर की प्रगति के लिए सभी जनप्रतिनिधियों का सहयोग बेहद आवश्यक है। वहीं, चेयरमैन महोदया के नेतृत्व की भी व्यापक सराहना की गई। उनके कुशल निर्देशन में नगर में निरंतर विकास कार्यों को गति मिल रही है और जनसुविधाओं में लगातार सुधार हो रहा है। सभासदों ने भी चेयरमैन और उनके पति की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में नगर विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सभी ने एकजुट होकर नगर को आदर्श बनाने का संकल्प दोहराया। एआईएमआईएम जिला सम्भल के पदाधिकारियों ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि इस तरह की औपचारिक भेंटें जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय को मजबूत करती हैं और विकास कार्यों को नई दिशा देती हैं।

प्रधानमंत्री के संभावित कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा की हो चाक चौबंद व्यवस्थाः मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

वाराणसी : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को वाराणसी पहुंचे। प्रधानमंत्री के संभावित दौरे के दृष्टिगत उन्होंने सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक की। उन्होंने प्रशासन एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने भ्रमण कार्यक्रम के दौरान होने वाले महिला सम्मेलन के दृष्टिगत सभी तैयारियां समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर महिलाओं के आवागमन समेत वाहनों की पार्किंग, पेयजल आदि की व्यवस्था भी सुनिश्चित रहे। उन्होंने कार्यक्रम स्थल के अलावा पूरे शहर की बेहतर स्वच्छता पर विशेष जोर देते हुए स्ट्रीट डॉग एवं छुट्टे पशुओं को आश्रय स्थलों में रखे जाने का निर्देश दिया। कहा कि स्ट्रीट वेंडरों का भी समुचित व्यवस्थापन सुनिश्चित कराया जाय।

आमजन को न हो कोई परेशानी-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम के दृष्टिगत सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम सुनिश्चित कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने रूट डाइवर्जन की बेहतर व्यवस्था कराए जाने का निर्देश दिया, ताकि आम जनमानस को कोई परेशानी न होने पाए। बैठक में प्रधानमंत्री के संभावित कार्यक्रम के दौरान लोकार्पित एवं शिलान्यास होने वाली परियोजनाओं की बाबत मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी।

जनसेवा की मिसाल बना दीपा सरायः चौधरी मुशीर अली खान की सख्त निगरानी में विकास कार्यों ने पकड़ी रफ्तार

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नं. 25 दीपा सराय में विकास कार्यों ने तेजी पकड़ ली है। क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष के पति चौधरी मुशीर अली खान ने मौके पर पहुंचकर कार्यों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मौके पर मौजूद मूदब्बिर अली चौधरी ने भी विकास कार्यों की सराहना की और कहा कि इस तरह के कार्य क्षेत्र की तस्वीर बदलने में अहम भूमिका निभाते हैं। वहीं एआईएमआईएम युवा जिला अध्यक्ष नूर मोहम्मद पाशा ने भी विकास कार्यों को लेकर संतोष जताया और कहा कि जनता के हित में हो रहे ये कार्य सराहनीय हैं तथा आगे भी इसी तरह विकास की गति बनाए रखी जाएगी। स्थानीय लोगों ने भी क्षेत्र में हो रहे कार्यों पर खुशी जाहिर करते हुए जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

Bareilly में मुस्लिम महिलाओं की हुंकार, विपक्ष का फूंका पुतला...

लोकतंत्र की शान

Bareilly Sandeep Chandra Uttar Pradesh -: बरेली में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित ना होने पर विपक्ष के ऊपर मुस्लिम महिलाओं का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर लोकसभा में बने हालात के बाद अब राजनीति ने नया मोड़ ले लिया है बरेली के दामोदर स्वरूप पार्क में आज उस वक्त माहौल गमा गया जब बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाएं सड़कों पर उतर आई आला हजरत वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष निदा खान के नेतृत्व में महिलाओं ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और गुस्से का इज़हार करते हुए उनका पुतला तक फूंक दिया यह प्रदर्शन लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध के चलते पारित ना होने से नाराजगी के रूप में किया गया प्रदर्शन के दौरान महिलाओं का गुस्सा साफ नजर आया निदा खान ने सीधे-सीधे विपक्ष को निशाने पर लेते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष महिलाओं के सशक्तिकरण से घबराता है और उनकी तरक्की में रोड़ा बन रहा है उन्होंने कहा कि जहां एक ओर सरकार महिलाओं को मजबूत बनाने की दिशा में कदम उठा रही है वहीं विपक्ष इस कोशिश को कमजोर करने में लगा है इस पूरे घटनाक्रम के बाद अब विपक्ष की नियत पर सवाल उठने लगे हैं और सियासी पारा तेजी से चढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है जैसे कि हम जानते हैं कि हमारे लिए एक बिल लाया जा रहा था जहां महिलाओं के पार्टिसिपेंट को लेके बहुत ज्यादा पार्टी एक्टिव थी लेकिन वहीं बाकी जो महिला विरोधी पार्टियां है उन्होंने उसका विरोध किया और बिल पास नहीं होने दिया उसी को लेके हमने आज विरोध प्रदर्शन किया और हम कहना चाहते हैं कि जहां सारी पार्टियां भारत माता की जय के नारे लगाती है लेकिन कभी भी उस नारे के ऊपर काम नहीं करती है ठीक है जैसे हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री ने उस नारे को उसी दिशा में काम करने की कोशिश करी लेकिन इन पार्टियों ने उन्हें काम नहीं करने दिया उनके आगे बाधा बनके खड़े हो गए लेकिन हम यहां खड़े होकर कहना चाहते हैं कि हम उनका साथ देंगे और यह प्रदर्शन रुकेगा नहीं यह प्रदर्शन दिल्ली भी जाएगा यह सब जगह जाएगा और जहां-जहां हम घेराबंदी कर सकते हैं हम करने की पूरी कोशिश करेंगे आज क्या पुतला फूंकेंगे आप जी हम उन पार्टियों का पुतला फूंकेंगे जैसे टीएमसी है कांग्रेस है सपा है जहां वो अपनी महिलाओं को आगे लाने के लिए कभी भी चूकते नहीं है लेकिन जहां आम समाज की बात करी जाएगी तो वहां उनका पार्टिसिपेंट जीरो करने की कोशिश करते हैं ठीक

मुख्यमंत्री ने काशी कोतवाल व बाबा विश्वनाथ के चरणों में झुकाया शीश

लोकतंत्र की शान

वाराणसी : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को वाराणसी पहुंचे। प्रधानमंत्री के संभावित वाराणसी दौरे के दृष्टिगत सर्किट हाउस में प्रशासनिक एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के पश्चात मुख्यमंत्री ने 'काशी कोतवाल' बाबा कालभैरव एवं श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत दर्शन पूजन किया।

बच्चों को दिया उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद-काल भैरव मंदिर से दर्शन कर निकलते समय माला-फूल बेचने वाले की दुकान पर बैठी दुकानदार की छोटी बिटिया को देख मुख्यमंत्री ने उसे दुलारते हुए पुचकारा। उसकी बड़ी बहन भी मुख्यमंत्री के सामने आ गई। उन्होंने उसे भी दुलारा-पुचकारा और स्कूल जाने के बाबत जानकारी ली और खूब पढ़ाई करने का आशीर्वाद दिया। इस दौरान उन्होंने बच्ची के परिजनों से भी वार्तालाप किया।

स्योहारा में हादसा, परिवार में पसरा मातम

» बुजुर्ग की मौत, युवक की हालत नाजुक

लोकतंत्र की शान

बिजनौर। स्योहारा में मुरादाबाद रोड पर मंगलवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की जान चली गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और परिजनों में कोहराम छा गया। जानकारी के अनुसार रतनपुरा निवासी मोहम्मद यासीन (64) स्कूटी से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान सुल्तानपुर के पास सामने से आ रही बाइक से उनकी आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। बाइक सवार लखीपुरा निवासी अजय कुमार भी इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन चालक सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गए। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तुरंत 108 एंबुलेंस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल भिजवाने में मदद की। मोहम्मद यासीन को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बताया गया कि जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही मोहम्मद यासीन ने दम तोड़ दिया। उनका शव गांव पहुंचते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं घायल अजय कुमार को परिजनों ने मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। कार्यवाहक थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

20 वर्षों से बंद पड़ा पशु चिकित्सालय

» जर्जर भवन से हादसे का खतरा, ग्रामीणों ने डीएम से लगाई गुहार

» कटरा बाजार क्षेत्र के कटुवानाला गांव का मामला, पशुपालकों को हो रही भारी दिक्कत

लोकतंत्र की शानर

गोंडा। जनपद के विकास खंड कटरा बाजार अंतर्गत ग्रामसभा कटुवानाला में स्थित राजकीय पशु चिकित्सालय पिछले लगभग दो दशकों से बंद पड़ा है। वर्ष 2004-05 से बंद इस चिकित्सालय की हालत अब बेहद जर्जर हो चुकी है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश के साथ-साथ हादसे की आशंका भी बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार चिकित्सालय भवन की छत टपक रही है, दीवारें पूरी तरह कमजोर हो चुकी हैं, खिड़की-दरवाजे व बाउंड्री क्षतिग्रस्त हैं और पूरे परिसर में झाड़ियां उग आई हैं। ऐसे में यह भवन किसी भी समय बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। क्षेत्र में बड़ी संख्या में पशुपालक किसान निवास करते हैं और यहां गाय, भैंस, बकरी व घोड़े जैसे मवेशियों की संख्या भी काफी अधिक है। लेकिन चिकित्सालय बंद होने के कारण पशुओं के इलाज के लिए ग्रामीणों को दूर-दराज जाना पड़ता है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान के साथ-साथ समय की भी भारी बर्बादी झेलनी पड़ रही है। कई बार समय पर उपचार न मिलने से पशुओं की जान पर भी बन आती है। इस गंभीर समस्या को लेकर ग्रामसभा के निवासी सत्यम सिंह, वंदना देवी, रामसजन शुक्ला, पवन गोस्वामी, विवेक गोस्वामी, श्यामसुंदर सिंह, हर्षित सिंह, हरिकेश सिंह, राकेश गुप्ता, सरवन पासवान, सुखराज यादव, करीम गोंडवी सहित अन्य ग्रामीणों ने जिला अधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने मांग की है कि बंद पड़े पशु चिकित्सालय की जांच कराकर उसका नवीनीकरण कराया जाए और वहां पशु चिकित्सक सहित आवश्यक कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि क्षेत्र के पशुपालकों को राहत मिल सके। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस लंबे समय से लंबित समस्या पर कब तक संज्ञान लेकर ठोस कदम उठाता है।

संक्षिप्त समाचार

सहरसा में CNG पंप का शुभारंभ, स्वच्छ ईंधन से मिलेगा बेहतर माइलेज और सुविधा

लोकतंत्र की शान, सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः सहरसा नगर निगम क्षेत्र के डूमरैल यादव चौक के निकट इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL) द्वारा संचालित सीएनजी पंप का आज विधिवत शुभारंभ जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सीएनजी पंप के शुरू होने से शहरवासियों को निर्धारित दर पर स्वच्छ और किफायती ईंधन उपलब्ध होगा, जिससे न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा बल्कि वाहनों को अधिक माइलेज भी प्राप्त होगा। जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि इस संयंत्र के माध्यम से शहर में सीएनजी की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, IOCL के सहयोग से नगर निगम क्षेत्र में लगभग 65 किलोमीटर तक पीएनजी (PNG) कनेक्शन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष तकनीकी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद एक सप्ताह के भीतर संबंधित उपभोक्ताओं को पीएनजी सेवा उपलब्ध करा दी जाएगी। वहीं, लगभग 300 किलोमीटर क्षेत्र में पीएनजी कनेक्शन विस्तार का कार्य तेज गति से जारी है। उन्होंने यह भी बताया कि जिले में उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी की व्यवस्था प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों की निगरानी में लगातार जारी है। जिले में एलपीजी गैस सिलेंडर, पेट्रोल और डीज़ल की पर्याप्त उपलब्धता है। किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर उसके त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जिलाधिकारी ने जमाखोरी और कालाबाजारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे मामलों में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार, अपर समाहर्ता श्री निशांत, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री प्रमोद कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिलाधिकारी के विशेष कार्य पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

वैशाली में ज्वेलरी व्यवसायी के घर डकैती, सीसीटीवी में कैद

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में सोमवार की रात एक ज्वेलरी व्यवसायी के घर डकैती हुई है। करीब 25-30 हथियारबंद डकैतों ने घर में घुसकर लूटपाट की। साथ ही दहशत फैलाने के लिए 12 से अधिक बम धमाके किए। घटना महनार थाना क्षेत्र के थानपुर गांव की है। डकैतों ने सबसे पहले घर के मुख्य गेट को कटर से काटा और जबरन अंदर प्रवेश किया। उन्होंने 10 से अधिक बम धमाके कर पूरे गांव में दहशत फैला दी। बमों की तेज आवाज से आसपास के लोग सहम गए और कोई भी घर से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा सका। डकैती के दौरान घर में मौजूद लोगों के साथ मारपीट भी की गई, जिसमें रंजीत साह और सुरेश साह घायल हो गए। दोनों घायलों का स्थानीय स्तर पर इलाज कराया जा रहा है। डकैत ज्वेलरी शॉप के कीमती सामान और कैश लूटकर फरार हो गए। पीड़ित परिवार और आसपास के ग्रामीणों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पुलिस और 112 नंबर पर फोन करने के बावजूद पुलिस टीम दो घंटे बाद मौके पर पहुंची। इस घटना का 2 CCTV फुटेज भी सामने आया है। पहले वीडियो में 5 लोग दीवार फांदकर घर में घुसे। एक अपने साथ सीढ़ी भी लेकर आया था। वहीं दो लोगों ने मिलकर अंदर से मेन गेट का लॉक तोड़ा। इसके बाद उनके बाकी साथी घर में प्रवेश किए। वहीं दूसरे फुटेज में कतार में एक-एक कर के सभी लोग घर के अंदर आते दिख रहे है। सोना दुकानदार रंजीत कुमार साह ने बताया कि रात 12 बजे के करीब घर में सभी लोग सो रहे थे। इसी दैरान नीचे के दरवाजे को खोलने की आवाज आई। मेरे घर में एक पालतू कुत्ता है, वो तुरंत भागकर नीचे गया। डकैतों को देख कर वो भौंकने लगा। इसी बीच मेरी नींद खुल गई। CCTV कैमरा में देखा तो 5 की संख्या में नकाबपोश बदमाश अंदर नजर आए। मैं बच्चों को जगाकर ऊपर छत पर ले गया। अंदर से गेट बंदकर मैंने शोर मचाना शुरू किया। तभी बदमाश मेरे रूम का दरवाजा तोड़ने लगे। वहीं मेरी आवाज सुनकर आसपास के लोग जाग गए और मेरे घर की तरफ आने लगे। लोगों को देख बदमाश बम और गोली चलाने लगे। जिसके बाद जो जहां था वही छिप गया। दुकानदार ने कहा कि सात से आठ बम ब्लास्ट हुआ है। जब ऊपर का गेट नहीं टूटा तो वो लोग सीढ़ी लगाकर ऊपर चढ़ गए और कुल्हाड़ी से दरवाजा को फाड़ दिया। वो लोग अंदर घुसकर सारा जेवर ले गए। साथी ही, 50 हजार कैश और 60 ग्राम सोना लेकर फरार हो गए। मैं जंदाहा के चांदसराय में पूजा ज्वेलरी की दुकान चलाता हूं। बदमाशों के बम से मेरा बेटा घायल हो गया है। बदमाश दो आदमी को नीचे बंधक बनाए रखे थे। एक व्यक्ति मेरे घर के तरफ आ रहे थे, तो उसके ऊपर बम फेंक दिया जो उसके पैर में जाकर लग गई। मैंने पुलिस को भी घटना की जानकारी दी थी, लेकिन वो 3 घंटे बाद पहुंचे।

वैशाली में मक्का फसल खराब

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। बिहार सरकार के कृषि विभाग की योजनाओं पर सवाल उठने लगे हैं। वैशाली जिले के बिदुपुर में किसानों ने मक्के की फसल बर्बाद होने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कृषि विभाग द्वारा दिए गए गलत बीज के कारण उनकी मेहनत बर्बाद हो गई। बिदुपुर के मधुरापुर गांव के किसान कल्लू पासवान, शिव शंकर पासवान और शम्भू पासवान ने बताया कि उन्होंने कृषि विभाग से अनुदानित मक्के का बीज खरीदा था। रवि महोत्सव में मिली सलाह के अनुसार उन्होंने करीब सात कट्ठे में मक्के की बुवाई की। किसानों के अनुसार, उन्होंने फसल को खाद-पानी भी दिया, लेकिन कटाई के समय मक्के की बालियों में दाने नहीं आए। उनका आरोप है कि इस कारण उनका समय और पैसा दोनों बर्बाद हो गया। उन्होंने इस नुकसान के लिए कृषि विभाग को जिम्मेदार ठहराते हुए मुआवजे की मांग की है। किसानों ने प्रखंड कृषि कार्यालय को भी इस मामले की जानकारी दी है। वहीं, प्रखंड कृषि पदाधिकारी अजीत कुमार शर्मा ने किसानों के आरोपों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि बीते रबी सीजन में विभाग द्वारा मक्के के बीज का वितरण नहीं किया गया था। उनके अनुसार, केवल गेहूं और मूंग के बीज ही वितरित किए गए थे। कृषि पदाधिकारी शर्मा ने कहा कि किसानों द्वारा लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। उन्होंने आशंका जताई कि किसानों ने किसी निजी खाद-बीज विक्रेता से बीज खरीदा होगा, जिसके कारण यह समस्या आई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि किसानों के पास बीज खरीद का बिलिंग रसीद है, तो दोषी दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और किसानों को फसल क्षति का मुआवजा दिलाया जाएगा। अजीत कुमार शर्मा ने यह भी स्वीकार किया कि उन्हें समस्या की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि वे किसानों से मिलकर मामले की जांच करेंगे। फिलहाल, किसान मुआवजे के लिए कृषि विभाग की ओर देख रहे हैं।

सोशल मीडिया पर हथियार लहराने वाले 3 गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में सोशल मीडिया पर अवैध हथियार के साथ फायरिंग और प्रदर्शन के वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर की गई। जानकारी के अनुसार, सोशल मीडिया पर दो वीडियो तेजी से वायरल हो रहे थे, जिसमें युवक अवैध हथियार के साथ फायरिंग और प्रदर्शन करते नजर आ रहे थे। वरीय स्तर से दोनों वीडियो का सत्यापन कराया गया, जिसमें मामला बोचहां थाना क्षेत्र का पाया गया। बोचहां थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पहले वीडियो में हथियार लहराते दिख रहे आरोपी संजीव कुमार को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर दूसरे वीडियो में फायरिंग करते दिख रहे रूपेश कुमार को भी दबोच लिया गया। पुलिस ने आगे कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों के बयान के आधार पर तीसरे आरोपी गुड्डू कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया। उसे जमीन में छिपाकर रखे गए अवैध हथियार के साथ पकड़ा गया। इस मामले में बोचहां थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक देशी पिस्टल और एक मैगजीन बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी गुड्डू कुमार के खिलाफ पहले से भी बोचहां थाना में मामला दर्ज है। वहीं रूपेश कुमार पर भी हाल ही में विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि इस तरह के मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

उर्दू सेल सहरसा के तत्वावधान में 30 अप्रैल को बच्चों की भव्य भाषण प्रतियोगिता आयोजित होगी

लोकतंत्र की शान

सहरसा, mohammad ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः उर्दू निदेशालय, सचिवालय पटना के निर्देशानुसार उर्दू सेल सहरसा द्वारा आगामी 30 अप्रैल को स्थानीय प्रेक्षागृह (ऑडिटोरियम) सहरसा में सुबह 10 बजे से एक भव्य एवं सुव्यवस्थित भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में जिले भर के दसवीं, बारहवीं एवं स्नातक स्तर के छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की वक्तृत्व कला को विकसित करना, आत्मविश्वास बढ़ाना तथा उर्दू भाषा के प्रति रुचि और लगाव को प्रोत्साहित करना है। आयोजकों के अनुसार, यह कार्यक्रम छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करेगा, जिससे वे अपने विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर सकें। प्रतियोगिता के लिए तीनों वर्गों के विद्यार्थियों हेतु अलग-अलग विषय निर्धारित किए गए हैं। इन विषयों की विस्तृत जानकारी जिले के सभी मदरसों एवं उर्दू विद्यालयों के प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों को पहले ही उपलब्ध करा दी गई है, ताकि छात्र-छात्राएं पूर्व तैयारी कर सकें और प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज मंगलवार को सहरसा कलेक्ट्रेट के बैठक कक्ष में एक महत्वपूर्ण तैयारी बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता जिला वित्त पदाधिकारी एवं उर्दू सेल के प्रभारी मुराद अली ने की। बैठक में जिले के विभिन्न स्कूलों, मदरसों तथा संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रभारी अधिकारी मुराद अली ने कहा कि यह प्रतियोगिता केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बच्चों के बौद्धिक और भाषाई

विकास की दिशा में एक सार्थक पहल है। उन्होंने सभी संस्थानों के प्रतिनिधियों से अपील की कि वे अपने-अपने विद्यालयों एवं मदरसों से अधिक से अधिक संख्या में छात्र-छात्राओं की भागीदारी सुनिश्चित करें। साथ ही, उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाए, ताकि बच्चों का मनोबल बढ़े और वे पूरे आत्मविश्वास के साथ मंच पर अपनी बात रख सकें। प्रतियोगिता को पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए निर्णायकों (जजों) के चयन की प्रक्रिया भी विशेष रूप से तय की गई है। इसके तहत लॉटरी प्रणाली (कुर्रा अंदाजी) के माध्यम से निर्णायकों का चयन किया जाएगा। बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा दस प्रतिष्ठित साहित्यकारों और शिक्षाविदों के नाम प्रस्तावित किए गए, जिनमें से लॉटरी के जरिए तीन निर्णायकों का चयन किया जाएगा। यह व्यवस्था प्रतियोगिता की विश्वसनीयता और निष्पक्षता को और मजबूत बनाएगी। बैठक में प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. अबुल कलाम, डीपीएस के निदेशक डॉ. जाफर पयामी, राजद के जिला अध्यक्ष प्रो. ताहिर, पूर्व विधायक जफर आलम, अंजुमन तरक्की उर्दू के जिला अध्यक्ष आज़म वारिसीन, मौलाना मोहिबुल हक, उर्दू सेल के مترجم तजम्मुल हक, مترجم आफताब आलम, सहित जिले के सभी प्रखंडों एवं अंचलों के सहायक अनुवादक, आफताब आलम नदवी, जाफर इमाम कासमी, मुफ्ती ज़िलुर्रहमान कासमी तथा बड़ी संख्या में उर्दू विद्यालयों और मदरसों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उर्दू सेल सहरसा द्वारा आयोजित यह प्रतियोगिता न केवल विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेगी, बल्कि उनके भीतर रचनात्मक सोच, अभिव्यक्ति की क्षमता और भाषा के प्रति सम्मान को भी विकसित करेगी। स्थानीय शिक्षाविदों और अभिभावकों का मानना है कि इस प्रकार के आयोजन से छात्रों के समग्र विकास में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और वे भविष्य में बड़े मंचों पर भी आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रख पाने में सक्षम बनते हैं।

सहरसा में नशा विरोधी अभियान तेजः तीन लाख की कोरेक्स जब्त, आरोपी पर होगी सख्त कार्रवाई

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिले में नशा विरोधी अभियान के तहत प्रशासन को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। प्राप्त सूचना के आधार पर सदर के भूमि सुधार उप समाहर्ता श्री धीरज कुमार के नेतृत्व में सत्तर कटैया प्रखंड क्षेत्र में छापामारी अभियान चलाया गया। इस दौरान स्थानीय निवासी अनिल झा (पिताः कुलानंद झा), वार्ड संख्या 10 के आवास से लगभग तीन लाख रुपये मूल्य के 1500 डब्बा कोरेक्स जब्त किए गए। यह कार्रवाई नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। प्रशासन ने बताया कि मामले की जांच जारी है और दोषी के विरुद्ध नियमानुसार कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया प्रगति पर है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नशा

विरोधी अभियान लगातार जारी रहेगा और नशा कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आम लोगों से अपील की गई है कि वे नशापान से दूर रहें और इस अभियान में सक्रिय सहयोग करें। संबंधित किसी भी सूचना को प्रशासन के साथ साझा करने पर सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

मोकामा के सिक्स लेन पुल पर एंबुलेंस में लगी आग

लोकतंत्र की शान , पटना

मोकामा के न्यू सिक्स लेन पुल पर एक एंबुलेंस और जुगाड़ गाड़ी में टक्कर हो गई। टक्कर के बाद एंबुलेंस में आग लग गई और वह पूरी तरह जलकर खाक हो गई। गनीमत रही कि एंबुलेंस ड्राइवर ने कूदकर अपनी जान बचा ली। आग लगने की सूचना मिलते ही सबसे पहले हाथीदह थाना की पुलिस पहुंची। घटना बाढ़ अनुमंडल के मोकामा स्थित न्यू सिक्स लेन पुल के पिलर नंबर-6 के पास हुई। दोनों गाड़ी बेगूसराय से पटना की ओर एक ही दिशा में जा रहे थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एंबुलेंस तुरंत आग की चपेट में आ गई।

पुलिस ने बरौनी और बाढ़ फायर ब्रिगेड को जानकारी दी। जानकारी मिलते ही बरौनी से पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी कोशिश के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि आग बुझाने के बाद बाढ़ से भी फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची थी। एंबुलेंस ड्राइवर ने जलती गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई। उसने जुगाड़ गाड़ी के नीचे फंसे उसके ड्राइवर

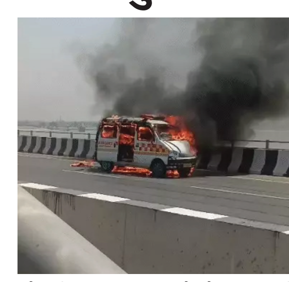

को भी बाहर निकालने में मदद की। हालांकि, तब तक एंबुलेंस में आग तेजी से फैल चुकी थी।

सीसीटीवी से कर्मियों को आग लगने का लगा पताः सिक्स लेन सेतु का निर्माण करने वाली कंपनी वेलस्पन ने पुल पर सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। इन कैमरों के माध्यम से निगरानी कर रहे वेलस्पन कर्मियों को टक्कर की जानकारी मिली। उन्होंने तत्काल राहत और बचाव काम शुरू किया और पुलिस को जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। हाथीदह थाने में दमकल की सुविधा नहीं होने के कारण आसपास के जिलों से दमकल गाड़ियां बुलाई गईं। इस कारण आग बुझाने में देरी हुई और एंबुलेंस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। इस दुर्घटना में किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है, जो एक राहत की बात है। बरौनी के सहायक अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी सिंटु कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही चालक चंदन कुमार और सहयोगी मधु कुमारी, दुर्गावती कुमारी और अभय कुमार के साथ पहुंचे तो छोटा एंबुलेंस वहां जल रहा था। काफी कोशिश के बाद आज पर काबू पाया गया।

घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि राकेश कुमार नाम का एंबुलेंस ड्राइवर इलाहाबाद में एक पेशेंट की मौत हो जाने के बाद उसका डेड बॉडी पहुंचाने के लिए पश्चिम बंगाल गया था। वहां से वापस लौट के दौरान सिमरिया पुल पर जुगाड़ ठेला गाड़ी चालक की ओर से चकमा देने के कारण एंबुलेंस टकरा गई। जिसमें जुगाड़ ठेला पलट गया तो ही एंबुलेंस में आग लग गई। आग लगते ही एंबुलेंस ड्राइवर राकेश कुमार ने किसी तरह से कूद कर अपनी जान बचा ली। इसके बाद स्थानीय लोगों की ओर से थाना को सूचना दी गई। फिलहाल पुलिस ने जले एंबुलेंस को कब्जे में ले लिया है।

प्रख्यात उर्दू विद्वान प्रो. मोसुफ आलम का निधन, नम आंखों से सुपुर्द-ए-खाक

लोकतंत्र की शान

सहरसा, mohammad ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिले के सिमरी बख्तियारपुर अनुमंडल क्षेत्र के घोड़दौर गांव निवासी प्रख्यात उर्दू विद्वान एवं शिक्षाविद प्रोफेसर मोसुफ आलम का सोमवार की रात निधन हो गया। उनके निधन से शैक्षणिक एवं साहित्यिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रो. मोसुफ आलम का निधन धनबाद में हुआ। उनका पार्थिव शरीर मंगलवार की रात उनके पैतृक गांव घोड़दौर लाया गया, जहां बुधवार सुबह फज्र की नमाज के बाद उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। प्रो. मोसुफ आलम ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मदरसा इस्लामिया घोड़दौर से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने इस्लामिया हाई स्कूल, सिमरी बख्तियारपुर से मैट्रिक उत्तीर्ण किया। उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से स्नातक, परास्नातक और पीएचडी की डिग्री हासिल की। उन्होंने लगभग दो दशकों तक धनबाद के विभिन्न कॉलेजों में शिक्षण कार्य किया। वर्ष 2018 में धनबाद विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद वे वहां उर्दू विभाग में प्रोफेसर के रूप में जुड़े रहे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने विभागाध्यक्ष, एनएसएस समन्वयक

सहित कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। इसके साथ ही उन्होंने शोध एवं संपादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देते हुए कई पुस्तकों की रचना भी की। उनके जनाज़े में धनबाद विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव डॉ. रिज़वान अहमद, पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. अब्दुल मतीन, धनबाद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. इलियास समेत उनके मार्गदर्शन में शोध कार्य कर चुके एवं कर रहे कई छात्र उपस्थित रहे। प्रो. मोसुफ आलम अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र, एक पुत्री, दो भाई और चार बहनों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन से क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है।

सरातियों के ड्राइवर ने दूल्हे के जीजा पर चढ़ाई गाड़ी

लोकतंत्र की शान , पटना

बाढ़ में सरातियों के ड्राइवर ने दूल्हे के जीजा पर गाड़ी चढ़ा दी। उनकी मौत हो गई है। वहीं, 5 लोगों चोट भी लगी है। जिनका इलाज चल रहा है। दरअसल, बारातियों के साथ सोमवार की रात गाड़ियां भी बढ़ रही थी। बारात दुल्हन के घर तक पहुंचने ही वाली थी। इसी दौरान सरातियों और बारातियों के ड्राइवर के बीच विवाद हो गया। गाड़ी साइड करने को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि गांव वालों ने बारातियों के ड्राइवर का सिर फोड़ दिया, उसकी पिटाई कर दी। वहीं, दूसरी तरफ सरातियों का ड्राइवर जितेंद्र भी गुस्से में था। गाड़ी तेजी से इधर-उधर घुमाने लगा। इसी दौरान दूल्हे के जीजा शंकर पासवान (35) पर कार चढ़ गई। बताया रहा कि वो नशे में था। घटना दीपनगर थाना क्षेत्र के काशीचक गांव की है।

बताया जा रहा कि बाराती बेढना गांव से नालंदा जिले के दीप नगर थाना क्षेत्र के काशीचक गांव में बारात गई थी। बाराती दुल्हन के घर के

नजदीक पहुंची तो बाराती और सराती दोनों मिलकर डांस करने लगे। सराती और दूल्हा पक्ष के ड्राइव के बीच जब मारपीट हुई तो बारातियों ने किसी तरह से मामला शांत कराया और अपने ड्राइवर को मौके से जाने के लिए कहा। पर आरोपी ड्राइवर गाड़ी लेकर आया। गाड़ी की रफ्तार काफी तेज थी। सामने कौन है, उसे परवाह नहीं थी। तेज रफ्तार में गोल-गोल 3-4 राउंड गाड़ी घुमाई। इसी दौरान हादसा हो गया।

तेजप्रताप बोले, कांग्रेस राहुल गांधी से नहीं चलेगी

लोकतंत्र की शान , पटना

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान के बाद बयानबाजी तेज हो गई है। JJD नेता तेज प्रताप यादव ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी से नहीं चलने वाली है, इसे सिर्फ प्रियंका गांधी ही चला सकती हैं। उन्होंने प्रियंका गांधी की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से करते हुए कहा कि उनमें इंदिरा गांधी जैसी नेतृत्व क्षमता है। दरअसल, तमिलनाडु में चुनाव-प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा था कि भाजपा के दबाव में उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ा।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार भाजपा के सामने 'समझौतावादी' साबित हुए और बिना विरोध किए मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़कर राज्यसभा चले गए। उन्होंने

कहा कि भाजपा ऐसी सरकार चाहती है जो उसके नियंत्रण में रहे, लेकिन तमिलनाडु में ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। राहुल गांधी के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए तेज प्रताप यादव ने कहा कि राहुल गांधी हमेशा बेवजह के मुद्दों में उलझे रहते हैं। तेजस्वी ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी को सत्ता की लालसा हो गई है और उन्हें राजनीति से ज्यादा अपने पुराने काम, जैसे कुकिंग, पर ध्यान देना चाहिए। तेज प्रताप ने कहा कि बिहार की राजनीति से राहुल गांधी का कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन फिर भी वे अनावश्यक बयानबाजी कर रहे हैं।

पटना समेत 4 जिलों में स्कूलों की टाइमिंग बदली, 8 शहरों का तापमान 42° पहुंचा

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार में गर्मी लगातार बढ़ रही है। मंगलवार दोपहर पटना समेत 8 जिलों का तापमान 42 डिग्री दर्ज किया है। गर्म हवाओं के चलते भोजपुर, बक्सर, कैमूर, नालंदा, छपरा में लू जैसे हालात बन गए हैं। खगड़िया में गर्म पछुआ हवा चल रही है। भीषण गर्मी के बीच गयाजी समेत बिहार के 4 जिलों में स्कूलों की टाइमिंग बदल दी गई है। पटना में 5वीं तक के सभी स्कूल 11.30 बजे तक चलेंगे। 6- 8 तक 12:30 तक क्लास चलेंगी। वहीं बक्सर में क्लास 1 से 8वीं तक की पढ़ाई दोपहर 12 बजे तक होगी। आरा और शेखपुरा में सुबह 11:30 बजे तक स्कूल संचालित होंगे। मौसम विभाग ने आज अररिया, किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार में धूल भरी आंधी चलने की संभावना जताई है। वहीं, 24 और 25 अप्रैल को उत्तर और दक्षिण-पूर्व बिहार के कई हिस्सों में बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

गर्मी की वजह से बेहोश हुए 10 स्टूडेंट्सः मंगलवार दोपहर सिरारी रेलवे स्टेशन के पास 65 वर्षीय बुजुर्ग भीषण गर्मी के कारण बेहोश होकर सड़क पर गिर गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें निजी क्लिनिक में भर्ती कराया है। हालांकि, उनकी पहचान नहीं हो सकी है। सोमवार को 9 जिलों का तापमान 40 डिग्री के पार चला गया। रोहतास का डेहरी 43.2 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। पटना में भी पारा 40 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.2 डिग्री अधिक है।

बढ़ती गर्मी को देखते हुए गयाजी समेत बिहार के 3 जिलों में स्कूलों की टाइमिंग बदल दी गई है। पटना में 5वीं तक के सभी स्कूल दोपहर 12:30 बजे तक ही चलेंगे। वहीं बक्सर में भी क्लास 1 से 8वीं तक की पढ़ाई दोपहर 12 बजे तक होगी। बक्सर में भीषण गर्मी के कारण 10 स्टूडेंट बेहोश हो गए, जिन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। सोमवार को बक्सर का तापमान 42 डिग्री के करीब रहा।

राज्य के पांच जिलों में लू जैसे हालात बने हुए थे। मौसम विभाग ने बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। पिछले 24 घंटे के दौरान बिहार के 11 जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक दर्ज की गई है। सबसे अधिक तापमान रोहतास जिले के डेहरी में 43.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जबकि कैमूर में 43.0 डिग्री।

संक्षिप्त समाचार

यमुनानगरः तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से एक की मौत, दूसरा गंभीर

लोकतंत्र की शान : यमुनानगर। यमुनानगर के प्रतापनगर क्षेत्र में सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में सड़क किनारे खड़े दो युवकों को हिमाचल नंबर की एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे बेहतर उपचार के लिए पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान गांव बहादुरपुर निवासी तरुण के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही प्रतापनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया। शिकायतकर्ता सतीश कुमार, जो प्रतापनगर स्थित एक निजी विद्यालय में प्रबंधक हैं, ने बताया कि वह अपने गांव लौटते समय मुख्य मार्ग से बहादुरपुर की ओर मुड़े। गांव के बाहर उन्होंने तरुण और गौरव को सड़क किनारे खड़ा देखा और बातचीत के लिए रुक गए। इसी दौरान मुख्य मार्ग की ओर से तेज गति से आ रही कार ने नियंत्रण खोते हुए दोनों युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक दूर जा गिरे। तरुण के सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि गौरव को प्राथमिक उपचार के बाद पहले यमुनानगर और फिर पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया। घटना के बाद चालक कुछ दूरी पर वाहन रोककर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच अधिकारी ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

फतेहाबाद : धन्ना भगत जी का जीवन सादगी, अटूट भक्ति और कर्मठता का अनुपम संगम : सुभाष बराला

लोकतंत्र की शान : फतेहाबाद। राज्यसभा सांसद सुभाष ने मंगलवार को धन्ना भगत जयंती के पावन अवसर पर संत शिरोमणि श्री गुरु भगत धन्ना जाट सेवा समिति ट्रस्ट धारसूल द्वारा गांव धारसूल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। क्षेत्र के युवाओं को शिक्षा और ज्ञान से जोडऩे के इस पुनीत अवसर पर, राज्यसभा सांसद ने धारसूल गांव में एक आधुनिक पुस्तकालय के निर्माण के लिए 11 लाख रुपये की अनुदान राशि देने की घोषणा की। राज्यसभा सांसद सुभाष ने उपस्थित जनसमूह से आत्मीय संवाद करते हुए संत शिरोमणि धन्ना भगत जी के प्रेरणादायी जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि धन्ना भगत जी का जीवन सादगी, अटूट भक्ति, आस्था और कर्मठता का अनुपम संगम है, जो आज भी समाज को सही दिशा देने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि धन्ना भगत जी ने अपने जीवन के माध्यम से यह सिद्ध किया कि सच्ची श्रद्धा और ईश्वर के प्रति समर्पण से असंभव भी संभव हो जाता है। सांसद ने कहा कि धार्मिक और सामाजिक आयोजन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं, जो समाज को एकजुट करने का कार्य करते हैं। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से आग्रह किया कि वे ऐसे आयोजनों से जुडक़र अपने इतिहास और परंपराओं को समझें तथा राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभाएं। उन्होंने सभी उपस्थित जनों को संत धन्ना भगत जी के आदर्शों पर चलने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह पुस्तकालय ग्रामीण युवाओं को उच्च शिक्षा, पठन-पाठन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए एक उत्कृष्ट और जनहितैषी मंच प्रदान करेगा। इस अवसर पर महंत संतपुरी जी महाराज, मार्किट कमेटी चेयरमैन रामेहर, वाइस चेयरमैन लाला हेमराज, सरपंच एसोसिएशन प्रधान रणबीर गिल, सरपंच सतगुरु, रणबीर मंडेरना, बलदेव मंडेरना, रमन मडिय़ा, दलजीत नैन, युवा समिति धारसूल सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

लुधियाना में कबाड़ी की दुकान में धमाका, एक की मौत, एक घायल

लोकतंत्र की शान : चंडीगढ़। पंजाब के लुधियाना में कबाड़ी की दुकान में मंगलवार को जोरदार धमाका होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। घटना लुधियाना के हंबड़ा स्थित बंसल स्क्रैप में उस समय घटी जब कबाड़ी का कारिंदा स्क्रैप तोड़ रहा था। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार दुकान मालिक शिव कुमार निब्बी के दो कर्मचारी कबाड़ में से स्क्रैप निकालने के लिए आग जलाकर काम कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने अनजाने में कोई संदिग्ध चीज आग में फेंक दी, जिससे जोरदार विस्फोट हो गया। दोनों कर्मचारी सीधे तौर पर धमाके की चपेट में आ गए। घटना की सूचना मिलते ही लाडोवाल थाना के प्रभारी अमृतपाल सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस के अनुसार हादसे की चपेट में आए चंदन कुमार और बाबा फूल पासवान को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चंदन कुमार को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि बाबा फूल पासवान फिलहाल खतरे से बाहर हैं। फॉरेंसिक और पुलिस टीम जांच कर रही है, जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गोली लगने से एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स में तैनात पंजाब पुलिस के डीएसपी की मौत

लोकतंत्र की शान : चंडीगढ़। पंजाब के फगवाड़ा में मंगलवार को एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स में तैनात एक डीएसपी की गोली लगने से मौत हो गई। डीएसपी योगेश कुमार का तीन दिन पहले ही चंडीगढ़ तबादला हुआ था। डीएसपी अपनी सरकारी रिवॉल्वर साफ कर रहे थे। इसी दौरान गोली चली और उनके सीने में लगी।कपूरथला की एसपी माधवी शर्मा ने कहा है कि यह घटना सुबह करीब साढ़े 7 बजे की है। उस समय डीएसपी योगेश कुमार अपने परिवार के सदस्यों, पत्नी, माता-पिता, बेटा और बेटी के साथ घर पर ही मौजूद थे। डीएसपी अपनी सरकारी रिवॉल्वर साफ कर रहे थे। इसी दौरान गोली चली और उनके सीने में लगी। घटना के बाद उन्हें तुरंत जालंधर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

डेरा कर सेवा में होगा गुरबाणी कीर्तन

लोकतंत्र की शान , राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

आगामीः रविवार को करनाल के डेरा कार सेवा में गुरबानी कीर्तन, कथा, दस्तार व दुमाला मुक़ाबले आदि का महान समागम होने जा रहा है जिसमे सिख क़ौम की सर्वोच्च शख़्सियतों के साथ साथ पंथ प्रसिद्ध रागी, प्रचारक शामिल हो रहे हैं। नौवे गुरु तेग़ बहादुर जी के प्रकाश पर्व एवं दसवे गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा 1699 में ख़ालसा साजना दिवस को समर्पित महान गुरमत समागम का आयोजन बाबा सुखा सिंह जी के मार्गदर्शन में इक ओअंकार मीडिया द्वारा किया जा रहा है। इक ओअंकार मीडिया की स्थापना के एक वर्ष पूरे होने पर डेरा कार सेवा में सुबह 9:30 बजे श्री सहज पाठ साहेब के भोग के पश्चात कथा व कीर्तन का आयोजन किया जाएगा जिसमे सचखंड श्री दरबार साहिब के हजूरी रागी भाई राय सिंह, तख़्त श्री दमदमा साहिब के हजूरी रागी व तन्ती साजों पर कीर्तन करने वाले भाई बिंदर सिंह, प्रसिद्ध कथावाचक ज्ञानी परमजीत सिंह ख़ालसा आनंदपुर साहिब वाले और भाई बलविंदर सिंह हजूरी रागी गुरुद्वारा मंजी साहिब पाठशाला पहली, द्वारा गुरबानी कीर्तन, गुरशब्द विचार व इतिहास से सीख संगत को जोड़ा जाएगा। डेरा कार सेवा प्रमुख बाबा सुखा सिंह ने इलाका निवासी गुरुद्वारा कमेटियों, सिख संस्थाओं और सिख संगत से परिवारों सहित इस समागम में शामिल होने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि समागम में गुरु का लंगर अटूट बरतेगा।

सीधी में स्टार ऑफ द मंथ से अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मानित

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। जिला प्रशासन द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रत्येक सप्ताह Star of the Month के तहत सम्मानित किया जा रहा है। यह पहल कार्यस्थल पर उत्कृष्टता, समर्पण और जनसेवा की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की जा रही है। इस क्रम में प्रवेश कुमार दाहिया (कोटवार, पटवारी हल्का सिरौला, मझौली) को कार्यालयीन कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन, पेशेवर दक्षता एवं टीम भावना के साथ सकारात्मक कार्य वातावरण बनाने हेतु सम्मानित किया गया। इसी प्रकार श्रीमती कीर्ति शुक्ला (नर्सिंग अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रामपुर नैकिन) को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु एचपीवी टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 1971 किशोरियों के सफल टीकाकरण जैसे महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उनके प्रयासों से समाज में स्वास्थ्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई है। जिला प्रशासन ने दोनों अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्य के प्रति समर्पण, जिम्मेदारी एवं तत्परता की सराहना करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। जिला प्रशासन ने आशा व्यक्त की है कि इस प्रकार के सम्मान से अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी प्रेरित होकर जनसेवा में उत्कृष्ट योगदान देंगे।

इंदिरा नगर कटनी में दलित परिवार पर पुलिस की बर्बर कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस का तीखा विरोध

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। इंदिरा नगर क्षेत्र में एक दलित परिवार के शादी समारोह के दौरान अमदरा से आई बारात पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज एवं बर्बर कार्रवाई को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एडवोकेट अमित शुक्ला ने कड़ी निंदा की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दलित परिवार के शादी समारोह में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा उपद्रव की घटना के बाद पुलिस ने स्थिति संभालने के बजाय निर्दोष बारातियों पर अंधाधुंध लाठीचार्ज कर दिया। इस दौरान लगभग 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। लड़की के भाई के साथ भी बेरहमी से मारपीट की गई, जिससे वह बुरी तरह घायल है। हद तो तब हो गई जब पुलिस ने विवाह मंडप से ही दूल्हा-दुल्हन को उठाकर थाने ले जाया, जो कि सामाजिक एवं मानवीय मूल्यों के खिलाफ है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है, विशेषकर दलित समाज में गहरा रोष व्याप्त है। पीड़ित दलित परिवार ने एडवोकेट अमित शुक्ला से मुलाकात कर अपनी पीड़ा व्यक्त की, जिसके बाद उन्होंने तत्काल पुलिस अधीक्षक महोदय से भेंट कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने एवं उन्हें निलंबित (सस्पेंड) करने की मांग की। अमित शुक्ला ने कहा कि कानून व्यवस्था के नाम पर दलित परिवार के साथ इस प्रकार की अमानवीय और दमनात्मक कार्रवाई किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो जिला कांग्रेस कमेटी एवं उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

शादी समारोह में पुलिस बल पहुंचकर गरीब महिलाओं बच्चों पर लाठी चार्ज योग किया गया है वह वह निंदनीय हैः पूर्व पार्षद राज किशोर यादव

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी : गत दिनों बाल गंगाधर तिलक वार्ड क्रमांक एक स्थित इंदिरा नगर में चौधरी परिवार के ऊपर शादी समारोह में पुलिस बल पहुंचकर गरीब बच्चों महिलाओं बच्चों पर लाठी चार्ज योग किया गया है वह वह निंदनीय है जानकारी अनुसार पूर्व पार्षद प्रतिपक्ष के नेता राजकिशोर यादव ने विज्ञप्ति जानकारी अनुसार विगत दिनों बाल गंगाधर तिलक वार्ड कटनी में पुलिस बल के द्वारा शादी समारोह में किसी विवाद को लेकर दलबल सहित पुलिस बल द्वारा मारपीट की जो जांच का विषय है अगर रक्षा की भक्षक बन जाए तो इस देश का भविष्य क्या होगा सब इंस्पेक्टर द्वारा खुले और उनके साथियों, पुलिस बल आम लोगो पर लाठियां से लोगों को पीटा गया उनको जबरन शादी रुकवा कर थाने ले जाया गया जो कि अपराध के श्रेणी में आता है मध्य प्रदेश शासन के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं पुलिस अधीक्षक महोदय से अनुरोध है कि इसकी उच्च स्तरीय जांच करते हुए दोषी पुलिस वालों पर कठोर से कठोर कार्रवाई की जावे निलंबित ही नहीं सस्पेंड करके उन पर कार्यवाही की जाए अन्यथा गलत संदेश जाएगा पुलिस को ऐसी हरकत करने में बल मिलेगा इसलिए इस पर कार्रवाई करना अति आवश्यक है शहर में अमन शांति बना रहे जिसके लिए जिला प्रशासन और पुलिस अधीक्षक को चाहिए इस पर कार्यवाही कर कटनी शहर में शांति बनी रहे इन पुलिस के द्वारा वर्दी की आड़ में समाज को कलंकित किया है जो विचारणीय बिंदु है मैं इसकी घोर निंदा करता हूं और सभ्य समाज में ऐसे दागी धार वर्दी वालों की कोई अहमियत नहीं जिन्होंने इस पवित्र वर्दी को कलंकित किया जिला प्रशासन से पूर्व पार्षद राज किशोर यादव ने अपेक्षा कि है कि इस पर गंभीरता से लेते हुए कार्यवाही करें।

पटना–पुणे एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे लगभग 167 नाबालिग मुस्लिम बच्चों को मानव तस्करी के संदेह में बिना ठोस प्रमाण के जबरन उतार लिया गया

» तत्काल रिहा किया जाए
» अध्यक्ष एवं एडवोकेट अमित शुक्ला

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। जिला कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला ने कटनी रेलवे स्टेशन पर 11 अप्रैल 2026 को हुई घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि पटना–पुणे एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे लगभग 167 नाबालिग बच्चों को मानव तस्करी के संदेह में बिना ठोस प्रमाण के जबरन उतार लिया गया, जबकि ये बच्चे अपने परिजनों की सहमति से महाराष्ट्र के लातूर में शिक्षा प्राप्त करने हेतु जा रहे थे। एड. अमित शुक्ला ने कहा कि बिना समुचित जांच एवं विधिक प्रक्रिया का पालन किए इस प्रकार की कार्रवाई न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि बच्चों के मौलिक अधिकारों एवं न्यायालय के स्थापित दिशा-निर्देशों का भी उल्लंघन है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई दिनों से बच्चों को उनके परिजनों से दूर रखा गया है, जिससे उनकी मानसिक स्थिति प्रभावित हो रही है। उन्होंने प्रशासन पर यह भी गंभीर आरोप लगाया कि बच्चों को समुचित देखभाल एवं पर्याप्त, गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, जो कि मानवाधिकारों का स्पष्ट हनन है। जिला कांग्रेस कमेटी ने मांग की है कि सभी बच्चों को शीघ्र उनके परिजनों को सौंपा जाए, उनके लिए उचित भोजन, स्वास्थ्य एवं रहने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही, आवश्यकता पड़ने पर न्यायालय की शरण लेकर बच्चों को न्याय दिलाने की कार्यवाही भी की जाएगी। एड. अमित शुक्ला ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस मामले में उचित कार्यवाही नहीं की गई, तो जिला कांग्रेस कमेटी आंदोलन करने के साथ-साथ न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के लिए भी बाध्य होगी। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष अमित शुक्ला ,मारूफ अहमद हनीफ वरिष्ठ कांग्रेस नेता ,उपाध्यक्ष हाजी गुलाम जाफर, सेवादल अध्यक्ष मंगल सिंह, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष आफताब अहमद 'चोखे' भाईजान, श्याम यादव, रणजीत सिंह, अर्जुन सिंह, इमरान खान, विंदेश्वरी पटेल, रमाकांत दीक्षित, जाकिर हुसैन, लिप्पू भाईजान, डॉ. खान, राघव सोनी, हर्षित मिश्रा सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे एवं सभी ने एक स्वर में प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की।

काव्यांश मालवीय एवं विजय कोरी का रेस्ट ऑफ एमपी टीम में चयन, डीसीए सीधी का बढ़ा गौरव

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। जिले के लिए अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि जिला क्रिकेट संघ (डीसीए) सीधी के दो प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने अपनी कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर राज्य स्तरीय टीमों में जगह बनाई है। काव्यांश मालवीय का चयन रेस्ट ऑफ एमपी ए टीम में हुआ है, वहीं विजय कोरी का चयन रेस्ट ऑफ एमसीबी टीम में किया गया है। यह उपलब्धि इन खिलाड़ियों की लगन, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का प्रतिफल है। साथ ही यह डीसीए सीधी के कोचिंग स्टाफ एवं प्रबंधन के बेहतर मार्गदर्शन को भी दर्शाता है, जिनके निर्देशन में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा को निखारा। इन दोनों खिलाड़ियों की सफलता से पूरे जिले में खुशी की लहर है और युवा खिलाड़ियों को एक नई प्रेरणा मिली है। डीसीए सीधी परिवार ने दोनों खिलाड़ियों को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है, साथ ही विश्वास जताया है कि वे आगे भी अपने शानदार प्रदर्शन से जिले एवं प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

अमिलिया पुलिस की बड़ी कार्रवाईः हत्या के षड्यंत्र का 8 घंटे में पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। थाना अमिलिया पुलिस ने हत्या के एक गंभीर मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 8 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव एवं एसडीओपी चुरहट रवि प्रकाश कौल के मार्गदर्शन में की गई। घटना के संबंध में थाना अमिलिया में फरियादी रोहित पटेल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि दोपहर करीब 3:30 बजे डिहुली मोड़ पेट्रोल पंप के पास आरोपी विवेक मिश्रा ने पुरानी रंजिश और वाहन की किश्त के विवाद के चलते संतोष द्विवेदी की मोटरसाइकिल को अपने मिनी टिपर (MP53ZG4331) से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल लगभग 105 फीट तक घसीटती चली गई। गंभीर रूप से घायल संतोष द्विवेदी की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई, जबकि उनके साथ सवार ठाकुर सेन गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रीवा रेफर किया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी अमिलिया निरीक्षक राकेश कुमार बैस के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों की सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों फरार आरोपियों को घटना के 8 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपीः विवेक मिश्रा (उम्र 27 वर्ष), निवासी ग्राम पहाड़ी विकास मिश्रा (उम्र 25 वर्ष), निवासी ग्राम पहाड़ी पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मिनी टिपर वाहन और मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया है। आरोपियों के विरुद्ध धारा 109, 103(1), 61(2) बीएनएस 2023 के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

सराहनीय भूमिकाः इस कार्रवाई में निरीक्षक राकेश कुमार बैस, उपनिरीक्षक राजमणि अहिरवार, प्रधान आरक्षक लोकेन्द्र सिंह, राजेन्द्र सिंह, विक्रम सिंह तथा आरक्षक रघुराज सिंह, संदीप चौबे और दीपेन्द्र सिंह की विशेष भूमिका रही।

जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक कटनी ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी – मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं प्रभावी समाधान हेतु प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के क्रम में आज दिनांक 21 अप्रैल 2026 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय कटनी में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा उपस्थित आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता पूर्वक सुना। उन्होंने प्रत्येक आवेदक की समस्या को प्राथमिकता से लेते हुए संबंधित थाना प्रभारी एवं अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कुछ प्रकरणों में साइबर संबंधी शिकायतों के प्राप्त होने पर, फरियादियों को शासन द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करने एवं साइबर अपराधों से जागरूक रहने की हिदायत भी पुलिस अधीक्षक द्वारा फरियादियों को दी गई। एवं आवश्यक कार्यवाही के निर्देश सायबर सेल को दिये गये। जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों में मुख्यतः पारिवारिक विवाद, आपसी विवाद, पैसों के लेन-देन से संबंधित मामले, पुलिस द्वारा सुनवाई न होने की शिकायतें, भूमि/प्लॉट संबंधी धोखाधड़ी, महिला अपराध एवं अन्य पुलिस से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। पुलिस अधीक्षक श्री विश्वकर्मा ने सभी आवेदकों को आश्वस्त किया कि कटनी पुलिस उनकी समस्याओं के निराकरण एवं सुरक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक शिकायत पर निष्पक्ष एवं समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संतोष डेहरिया सहित जिले के समस्त अनुभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों द्वारा पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में आवेदकों की समस्याओं को विस्तारपूर्वक सुनकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की गई।

संक्षिप्त समाचार

सीजफायर के बीच दक्षिणी लेबनान पर इजराइली हमले, बेका घाटी में महिला एवं दो बच्चों की मौत

बेरूत। लेबनान में लागू 10 दिन के युद्धविराम (सीजफायर) के बावजूद इजराइल द्वारा दक्षिणी इलाकों पर हमले किए जाने की खबरें सामने आई हैं। नेशनल न्यूज एजेंसी (एनएनए) के अनुसार, पिछले कुछ घंटों में कई कस्बों को निशाना बनाया गया, जिससे क्षेत्र में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, काकाइयात अल-जिस्र कस्बे में लितानी नदी के पास ड्रोन हमला किया गया। इसके अलावा टायर जिले के शमा कस्बे में बमबारी हुई, जबकि मरजायून क्षेत्र के तैयबेह कस्बे को भी निशाना बनाया गया। अल-कुसैर और अल-कंतारा के बीच के इलाकों में भी हमलों की सूचना है। हालांकि, इन घटनाओं में फिलहाल किसी के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस बीच, लेबनान की बेका घाटी में हुए हवाई हमलों में नागरिकों के मारे जाने की खबर है। सोहमोर कस्बे में तड़के करीब 3:30 बजे हुए हमले में एक महिला और उसके दो बच्चों की मौत हो गई। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि शव दूर तक जा गिरे। वहीं, बच्चों के पिता गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। स्थानीय रिपोर्ट्स के अनुसार, मशघरा क्षेत्र में भी हमलों से भारी नुकसान हुआ है। लगातार हो रही इन घटनाओं ने सीजफायर के प्रभाव और उसकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, इन हमलों को लेकर इजराइल की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्थिति को शांत करने और युद्धविराम का पालन सुनिश्चित कराने की मांग तेज हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-छूने से देवता अपवित्र कैसे होते हैं

नई दिल्ली। सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री और धार्मिक भेदभाव से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। कोर्ट ने पूछा, 'मूर्ति छूना ईश्वर का अपमान कैसे हो सकता है और वे अपवित्र कैसे हो जाते हैं।' सुप्रीम कोर्ट ने पूछा, 'क्या संविधान उस भक्त की मदद के लिए आगे नहीं आएगा, जिसे केवल उसके वंश और जन्म के कारण देवता को छूने से रोक दिया जाता है।' इस पर सबरीमाला के वकील एडवोकेट वी. गिरी ने कहा किसी भी मंदिर में होने वाले रीति-रिवाज उस धर्म का अभिन्न हिस्सा होते हैं। पूजा

देवता की विशेषताओं के उलट नहीं हो सकती। भगवान अयप्पा 'नैष्ठिक ब्रह्मचारी' हैं, इसलिए वहां की परंपराएं उसी के अनुरूप तय की गई हैं। सुप्रीम कोर्ट में 9 जजों की संवैधानिक बेंच सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री से जुड़े मामले पर सुनवाई कर रही है। इसके साथ धार्मिक आस्था के 66 मामले और जुड़े हैं। फैसला कल आने की संभावना है। केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में मासिक धर्म वाली महिलाओं (10-50 साल) की एंट्री पर रोक लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में बैन हटा दिया। फैसले के खिलाफ कई पुनर्विचार याचिकाएं लगाई गईं, जिसपर अब सुनवाई हो रही है। मंदिर प्रशासन महिलाओं की एंट्री का विरोध कर रहा है।

शादी में खाने के बाद 200 लोग हुए बीमार, 400 लोगों ने खाया था खाना, फूड पॉइजनिंग की आशंका

गुजरात। गुजरात के दाहोद जिले में शादी के दौरान फूड पॉइजनिंग से 200 से ज्यादा लोग बीमार हो गए। इनमें से 59 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना सोमवार रात की है। शादी में 400 से ज्यादा लोग पहुंचे थे। रात 8 बजे के आसपास डिनर शुरू हुआ, जिसमें आम का जूस भी था। इसके बाद रात करीब 11 बजे कुछ लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। बीमार लोगों को तुरंत नजदीकी सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती कराया गया। बाद में यह संख्या 200 से ज्यादा हो गई। दाहोद कलेक्टर योगेश निर्गुडे ने बताया कि अभलोड गांव में शादी के दौरान खाना खाने के बाद 230 लोगों को उल्टी, दस्त और पेट दर्द की शिकायत हुई। डॉक्टर डॉ. राजीव डामोर ने बताया कि अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों की हालत ठीक है।

मुस्लिम परिवार ने उत्तराखंड में अपनाया हिंदू धर्म, गंगा में डुबकी लगाई-जनेऊ पहना

हरिद्वार। उत्तर प्रदेश के एक मुस्लिम परिवार ने आज हरिद्वार में हिंदू धर्म अपना लिया। नमामि गंगे घाट पर कई संतों की मौजूदगी में परिवार के पांचों सदस्यों का शुद्धिकरण किया गया, गंगा में डुबकी लगवाई गई और फिर मंत्रो उच्चारण के बीच हवन में उन्हें जनेऊ पहनाया गया। हिंदू धर्म में शामिल कराने बाद उन सभी के नाम भी बदल दिए गए, परिवार के मुखिया मोहम्मद शहजाद अब 'शंकर' बन गए हैं और उनकी पत्नी रजिया से 'सावित्री' बन गई है। इसी दौरान का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें शहजाद घाट किनारे खड़े अपने गुरु अरुण

किशन महाराज के पैर चूमते हुए दिख रहा है। इस पूरे कार्यक्रम में मौजूद संतों ने इसे घर वापसी बताया है। स्वामी प्रबोधानंद महाराज ने दावा किया है कि भारत का हर मुस्लिम पहले हिंदू ही था और सभी को हिंदू धर्म में आकर घर वापसी करनी चाहिए। वहीं शहजाद से शंकर बने युवक ने कहा कि वह बचपन से ही सनातन धर्म में विश्वास रखता था। हालांकि उसने कहा- ये पूरा परिवार उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में रहता है। चंडीघाट पर हुए इस पूरे कार्यक्रम में मौजूद अरुण किशन महाराज ने बताया कि शहजाद लंबे समय से उनके संपर्क में था और लगातार सनातन धर्म अपनाने की इच्छा जता रहा था। उनके अनुसार, पूरा परिवार जब सहमत हुआ तो फिर आज सभी को हिंदू धर्म में शामिल कर लिया गया। रजिया और शहजाद की दो बेटियों और एक बेटे का भी नाम बदल दिया गया है। बेटे का नाम रुद्र' और बेटियों के नाम 'रुक्मिणी' व 'दिशा' रखे गए हैं।

मणिपुर में तीन घंटे में दो बार डोली धरती

इंफाल। मणिपुर में मंगलवार सुबह तीन घंटे के अंतराल में भूकंप के दो झटके महसूस किए गए। भूकंप का पहला झटका सुबह 05 बजकर 59 मिनट 33 सेकंड एवं दूसरा झटका सुबह 09 बजकर 03 मिनट 25 सेकंड पर महसूस किया गया। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.2 और 3.3 मापी गई। पहला भूकंप मणिपुर कामजोंग जिले में जमीन के अंदर करीब 62 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप का एपिसेंटर 24.703 उत्तरी अक्षांश और 94.415 पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। दूसरा भूकंप मणिपुर

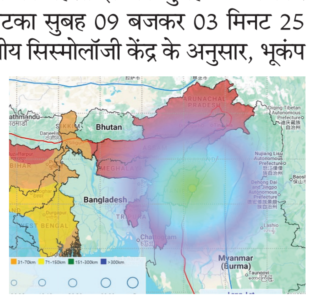

कामजोंग जिले में जमीन के अंदर करीब 56 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। जबकि, दूसरे भूकंप एपिसेंटर 24.737 उत्तरी अक्षांश और 94.185 पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। झटके महसूस होते ही लोग घबराकर बचपन घरों से बाहर निकल आए। राहत की बात यह रही कि फिलहाल किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

भारत ने इजराइल की मदद कर कानून तोड़ाः यूएन दूत

हथियार भेजना नियमों के खिलाफ, इससे ग्लोबल सिस्टम कमजोर हो रहा

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में भारत पर अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल के साथ उसके संबंध और युद्ध के समर्थन को लेकर भारत की कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी बनती है। 'टॉर्चर एंड जेनोसाइड' नाम की इस रिपोर्ट को UN स्पेशल दूत फ्रांसेस्का अल्बनीज ने 23 मार्च को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में पेश किया। द हिंदू से बात करते हुए उन्होंने भारत पर आरोप लगाया कि इजराइल के साथ करीबी संबंधों के चलते भारत अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन कर रहा है और उसे इसकी जिम्मेदारी उठानी पड़ सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस ने इजराइल के कब्जे को गलत बताया है और देशों से हथियारों का लेन-देन रोकने को कहा है। इसके बावजूद भारत का हथियार भेजना नियमों के खिलाफ हो सकता है। उन्होंने कहा कि कानून के साथ-साथ भारत की

नैतिक जिम्मेदारी भी बनती है। उनका मानना है कि भारत का इतिहास और न्याय की सोच ऐसे फैसलों के खिलाफ खड़ी होती है, लेकिन अभी सरकार का रुख उससे अलग नजर आ रहा है।

गाजा में यातना शिविर जैसे हालातः टॉर्चर एंड जेनोसाइड रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अक्टूबर 2023 से इजराइल ने गाजा और डिटेंशन सेंटर्स में फिलिस्तीनियों के खिलाफ व्यवस्थित यातना का इस्तेमाल किया। रिपोर्ट में गाजा को बहुत बड़ा यातना शिविर बताया गया है। इसी रिपोर्ट के आधार पर अल्बनीज ने भारत की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इजराइल के साथ करीबी संबंधों के चलते भारत अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन कर रहा है और उसे इसकी जिम्मेदारी उठानी पड़ सकती है। इसी संदर्भ में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फरवरी में इजराइल यात्रा और 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का जिक्र किया। उनके अनुसार, यह संबंध अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को कमजोर करने की दिशा में जाता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि टॉर्चर केवल जेलों तक सीमित नहीं है। निगरानी, फेस रिकग्निशन, ड्रोन और चेकपॉइंट्स के जरिए फिलिस्तीनियों के जीवन पर लगातार नियंत्रण रखा जा रहा है। इससे उनकी रोजमर्रा की जिंदगी भी एक तरह के मानसिक और सामाजिक दबाव में रहती है। अल्बनीज ने बताया कि गाजा में हालात बेहद खराब हैं। करीब 1,90,000 लोग 50 वर्ग किमी से कम इलाके में रह रहे हैं। वहां दवाइयों, साफ-सफाई और सुरक्षा की भारी कमी है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति "कंसंट्रेशन कैंप" से भी बदतर हो गई है।

पचपदरा रिफाइनरी पहुंचे सीएम, जहां आग लगी, वहां भी गए

एजेंसी, बाड़मेर/बालोतरा

बालोतरा के पचपदरा रिफाइनरी में 20 अप्रैल को हुए भीषण अग्निकांड के बाद आज सीएम भजनलाल शर्मा वहां पहुंचे। उन्होंने ढाई घंटे तक अधिकारियों से हादसे को लेकर चर्चा की। इस दौरान सीएम ने जहां आग लगी, उस जगह का भी निरीक्षण किया। सीएम के साथ कानून मंत्री मंत्री जोगाराम पटेल और मुख्य सचिव (CS) वी श्रीनिवास भी थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दौरा रद्द होने के बाद मुख्यमंत्री दोपहर करीब 12:30 बजे रिफाइनरी पहुंचे थे। इससे पहले NIA और स्टेट की जांच एजेंसियां भी पहुंच गई थीं। रिफाइनरी के गेट नंबर 1 और 2 पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बाहरी लोगों की एंट्री पर पूरी तरह रोक है। कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा- अग्निकांड की कमेटी जांच कर रही है। जो भी तकनीकी खामियां रही होंगी, उसे दूर किया जाएगा। जल्द ही रिफाइनरी को शुरू किया जाएगा। करीब 79 हजार 459 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस रिफाइनरी का PM आज (मंगलवार) उद्घाटन करने वाले थे। हादसे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

◆ **ढाई घंटे तक भजनलाल शर्मा ने की अफसरों से चर्चा**

का दौरा स्थगित कर दिया गया था।

PM के दौरे को देखते हुए हफ्ते भर से तैयारियां चल रही थीं। घटनास्थल से महज 800 मीटर दूर बनाए गए सभा स्थल पर विशाल डोम में सैकड़ों पंखे और कूलर लगाए गए थे। जनसभा के लिए करीब 2 लाख लोगों का खाना तैयार किया गया था। मंगलवार को क्रेन की मदद से डोम हटाए गए। 20 अप्रैल की दोपहर करीब 2:00 बजे हीट एक्सचेंजर सर्किट में हाइड्रोकार्बन लीकेज की वजह से कच्चे तेल को साफ करने वाली (क्रूड डिस्टिलेशन) दो यूनिट में आग लगी थी। धुएं का गुबार और आग की लपटों को कई किलोमीटर दूर से देखा गया था।

दिल्ली में लेखिका मधु किश्वर को नोटिस देने उनके ऑफिस पहुंची चंडीगढ़ पुलिस

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री से जुड़ी भ्रामक सोशल मीडिया सामग्री प्रसारित करने के आरोप में घिरीं लेखिका मधु किश्वर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। किश्वर के खिलाफ दर्ज एफआईआर के संबंध में नोटिस देने के लिए चंडीगढ़ पुलिस की एक टीम दिल्ली स्थित उनके कार्यालय पहुंची। चंडीगढ़ की पुलिस के अनुसार 19 अप्रैल को किश्वर के खिलाफ एक एफआईआई दर्ज की गई थी, जिसमें आरोप था कि किश्वर ने सोशल मीडिया पर साझा एक वीडियो को रिट्वीट करते हुए दावा किया कि मसाज ले रहे व्यक्ति प्रधानमंत्री हैं, जबकि जांच में पाया गया कि वीडियो में दिखाया गया व्यक्ति एक ट्रैवल ब्लॉगर है और उसकी पत्नी ने पुष्टि की है कि वह व्यक्ति उनका पति है। पुलिस ने बताया कि इस वीडियो का अन्य सोशल मीडिया हैंडलर ने भी गलत तरीके से इस्तेमाल किया है। इस संबंध में उनसे पूछताछ करने के लिए पुलिस टीम किश्वर को नोटिस देने उनके दफ्तर पहुंची ताकि वह पुलिस स्टेशन में पेश होकर अपना बयान दर्ज करा सके। इसके लिए कल की तारीख तय की गई है।

पुलिस की इस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए किश्वर ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि जब पुलिस उनके दफ्तर पहुंची, तब वह एक वीडियो रिकॉर्ड कर रही थीं। उन्होंने शाम के समय पुलिस की उपस्थिति पर चिंता जताते हुए महिलाओं की गिरफ्तारी से संबंधित कानूनी प्रावधानों का भी हवाला दिया।

चंडीगढ़ पुलिस ने इस मामले को "जानबूझकर भ्रामक और अश्लील सामग्री के जरिए छवि खराब करने की कोशिश" माना है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आईटी एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

जापान दूसरे देशों को घातक हथियार बेचेगा

एजेंसी, नई दिल्ली

जापान ने सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद अपनी शांतिवादी नीति में बड़ा बदलाव किया है। प्रधानमंत्री साने ताकाइची की कैबिनेट ने घातक हथियारों के निर्यात पर लगी दशकों पुरानी रोक हटा दी है। इसके तहत अब जापान फाइटर जेट, मिसाइल और वॉरशिप जैसे हथियार दूसरे देशों को बेच सकेगा। मंगलवार को X पर पोस्ट करते हुए ताकाइची ने कहा कि अब सभी रक्षा उपकरणों का ट्रांसफर संभव होगा। उन्होंने कहा कि हथियार सिर्फ उन देशों को दिए जाएंगे जो UN चार्टर (संविधान) के मुताबिक उनका इस्तेमाल करने का वादा करेंगे।

जापान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि कई देश जापानी हथियार खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। हाल ही में जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच 7 अरब डॉलर का समझौता हुआ

है। इसके तहत मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज ऑस्ट्रेलियाई नौसेना के लिए 11 में से पहले 3 वॉरशिप बनाएगी। इससे पहले 1976 में लागू प्रावधानों के तहत जापान सिर्फ गैर-घातक सैन्य उपकरण ही निर्यात कर सकता था। इनमें निगरानी और माइन स्वीपिंग जैसे उपकरण शामिल थे।

जापान की 'शांतिवादी नीति' क्या थीः सेकेंड वर्ल्ड वॉर और हिरोशिमा-नागासाकी परमाणु हमले के बाद जापान ने तय किया कि वह युद्ध से दूर रहेगा। संविधान के आर्टिकल 9 में साफ लिखा गया कि जापान युद्ध नहीं करेगा और सेना सिर्फ आत्मरक्षा तक सीमित रहेगी। इसी वजह से जापान ने सेल्फ डिफेंस फोर्स (SDF) बनाई। 1976 में जापान ने घातक हथियारों के निर्यात पर लगभग पूरी तरह रोक लगा दी। हालांकि 2014 में थोड़ी ढील दी गई लेकिन सख्त सीमाएं बनी रहीं। अब नए फैसले में जापान ने अपनी शांति नीति में बड़ा बदलाव किया है।

◆ **50 साल बाद नीति में बदलाव किया, ऑस्ट्रेलिया के साथ 7 अरब डॉलर का समझौता**

17 देश जापान से हथियार खरीद सकते हैंः अल जजीरा के मुताबिक, इस फैसले के तहत कम से कम 17 देश जापान से हथियार खरीद सकेंगे। इसमें ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस और इंडोनेशिया जैसे देश शामिल हैं। अगर और देश जापान के साथ समझौते करते हैं तो यह सूची बढ़ सकती है। वहीं, जापानी अखबार असाही के मुताबिक जापान उन देशों को हथियार नहीं बेचेगा जहां फिलहाल युद्ध चल रहा है। हालांकि विशेष परिस्थितियों में जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला हो तो इसमें छूट दी जा सकती है।

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु में चुनाव प्रचार थमा

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में गुरुवार को होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रचार मंगलवार शाम 5 बजे थम गया। पश्चिम बंगाल के पहले चरण के लिए 152 सीटों और तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होगा। चुनाव आयोग के अनुसार मंगलवार शाम 5 बजे से दोनों राज्यों में चुनाव प्रचार पूरी तरह थम गया और 'साइलेंस पीरियड' लागू हो गया। नियमों के मुताबिक मतदान से 48 घंटे पहले प्रचार अभियान पर पूर्ण प्रतिबंध लागू कर दिया जाता है, ताकि मतदाता बिना किसी दबाव के स्वतंत्र रूप से निर्णय ले सकें। यह प्रावधान लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के तहत लागू होता है। इस दौरान न तो रैलियां आयोजित की जा सकती हैं और न ही टीवी, अखबार या सोशल मीडिया पर प्रचार किया जा सकता है। नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई का प्रावधान है। मतदान को बढ़ावा देने और 100 प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चुनाव आयोग ने राज्यभर में व्यापक जागरुकता अभियान शुरू किए हैं। तमिलनाडु में इस बार कुल 4,023 उम्मीदवार मैदान में हैं। यहां

मुख्य मुकाबला द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच माना जा रहा है। वहीं अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) के कारण कई सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय है। पश्चिम बंगाल में पहले चरण के लिए 16 जिलों की 152 सीटों पर मतदान होगा। इस चरण में कुल 1,478 प्रत्याशी मैदान में हैं और लगभग 3.60 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

मुर्शिदाबाद की 22, कूचबिहार की नौ, जलपाईगुड़ी की सात, अलीपुरद्वार की पांच, कलिंपोंग की एक, दार्जिलिंग की पांच, उत्तर

23 अप्रैल को मतदान

दिनाजपुर की नौ, दक्षिण दिनाजपुर की छह, मालदा की 12, बीरभूम की 11, पश्चिम बर्द्धमान की नौ, पूर्व मेदिनीपुर की 16, पश्चिम मेदिनीपुर की 15, झाड़ग्राम की चार, पुरुलिया की नौ व बांकुड़ा की 12 सीटें शामिल हैं। पहले चरण में कुल 1,478 प्रत्याशी मैदान में हैं। मतदाताओं की कुल संख्या तीन करोड़ 60 लाख 77 हजार 171 है, जिनमें एक करोड़ 84 लाख 99 हजार 496 पुरुष, एक करोड़ 75 लाख 77 हजार 210 महिला व 465 ट्रांसजेंडर शामिल हैं।

राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भवानीपुर सीट से तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रही हैं, जहां उनकी सीधी टक्कर भारतीय जनता पार्टी से है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों में मतदान होगा। पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। वहीं तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर एक ही चरण में 23 अप्रैल को मतदान होगा। दोनों राज्यों के चुनाव की मतगणना 4 मई को होगी।

मप्र के बड़वानी में टैंकर की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त, 5 युवकों की मौत

एजेंसी, भोपाल/बड़वानी

मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में मंगलवार दोपहर हुए सड़क हादसे में एक तेज रफ्तार टैंकर ने सामने से आ रही कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार युवक अंदर ही फंस गए। इस हादसे में पांच युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं।

यह दुर्घटना जुलवानिया टोल प्लाजा के पास दोपहर करीब 2:30 बजे हुई। बताया गया हे कि सभी युवक एक बारात से लौट रहे थे। रास्ते में एक वाहन का डीजल खत्म हो जाने पर कुछ युवक दूसरी कार से डीजल लेने निकले थे, तभी खरगोन की ओर से आ रहे तेज रफ्तार टैंकर ने उनकी कार को टक्कर मार दी, जिससे यह हादसा हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही जुलवानिया थाना पुलिस मौके पर

पहुंची।

स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने घायलों और मृतकों को कार से बाहर निकालने के लिए करीब एक घंटे तक मशक्कत की। हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान दो और युवकों ने दम तोड़ दिया।

जुलवानिया थाना प्रभारी राम कुमार पाटिल ने बताया कि हादसे के बाद टैंकर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि टैंकर को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश जारी है।

भारत-भूटान सीमा शुल्क बैठक में व्यापार सुगमता और सीमा प्रबंधन पर सहमति

एजेंसी, मुन्नार (केरल)

भारत और भूटान के बीच 20-21 अप्रैल को मुन्नार में आयोजित सातवीं संयुक्त सीमा शुल्क समूह (जेजीसी) बैठक में सीमा शुल्क सहयोग, व्यापार सुगमता और सीमा प्रबंधन को मजबूत करने पर सहमति जताई गई। बैठक में तस्करी रोकथाम, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण, सीमा अवसंरचना सुधार और इलेक्ट्रॉनिक कार्गो ट्रैकिंग सिस्टम के तहत माल आवाजाही सुगम बनाने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार और बढ़ाने तथा सुरक्षित सीमा प्रबंधन सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत और भूटान के बीच सातवीं संयुक्त सीमा शुल्क समूह (जेजीसी) बैठक 20-21 अप्रैल को यहां आयोजित हुई बैठक की अध्यक्षता भारत सरकार के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के विशेष सचिव और सदस्य (सीमा शुल्क) योगेन्द्र गर्ग तथा भूटान के वित्त मंत्रालय के

राजस्व एवं सीमा शुल्क विभाग के महानिदेशक सोनम जाम्तशो ने की। बैठक में समन्वित सीमा प्रबंधन, सीमा शुल्क डेटा के पूर्व-आगमन आदान-प्रदान पर समझौता ज्ञापन, खुफिया जानकारी साझा कर तस्करी रोकथाम, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण और इलेक्ट्रॉनिक कार्गो ट्रैकिंग सिस्टम के तहत पारगमन माल की आवाजाही को सुगम बनाने जैसे विषयों पर विचार किया गया। सीमा अवसंरचना सुधार और सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर भी चर्चा हुई। भूटानी प्रतिनिधिमंडल ने कोच्चि बंदरगाह का दौरा किया और आयात-निर्यात प्रक्रियाओं, जहाजों की बर्थिंग, कंटेनर संचालन तथा समुद्री प्रवर्तन गतिविधियों जैसे गश्त, संदिग्ध जहाजों की पहचान और संचार प्रणालियों की जानकारी प्राप्त की।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने वाली हैः रेखा गुप्ता

एजेंसी, आसनसोल

आसनसोल दक्षिण विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पाल के समर्थन में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जेके नगर इलाके में रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने खुली गाड़ी से लोगों का अभिवादन किया और जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की तृणमूल सरकार पर जमकर निशाना साधा। अपने संबोधन में रेखा गुप्ता ने दावा किया कि आप सबका उत्साह और उमंग देखकर मुझे पूरा विश्वास है कि ममता सरकार अब जाने वाली है और बंगाल में भाजपा की सरकार बनने वाली है। आपका यही जोश अग्निमित्रा पाल को दोबारा विधायक बनाएगा। उन्होंने कहा कि अग्निमित्रा पाल एक साहसी नेता हैं, जो जनता के लिए लड़ती हैं और तृणमूल के गुंडों को करारा जवाब देती हैं। उन्होंने दावा किया कि अग्निमित्रा पाल के रहते किसी भी टीएमसी कार्यकर्ता की हिम्मत नहीं होगी कि वह आम जनता को परेशान करे।

उन्होंने आगे कहा कि अग्निमित्रापाल के पीछे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का नेतृत्व है। उनके नेतृत्व में बंगाल ने ठान लिया है कि अब यहां विकास की राजनीति होगी। महिलाओं को सम्मान मिलेगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा और किसानों को उनकी फसल

का उचित मूल्य मिलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा विकास और विश्वास की राजनीति करती है।

रेखा गुप्ता ने खनन माफिया और सिंडिकेट पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने पर इन पर पूरी तरह रोक लगाई जाएगी और जो भी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, उनकी फाइलें खोलकर उन्हें जेल भेजा जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे डटकर खड़े रहें और इस बार बदलाव के लिए मतदान करें। उन्होंने कहा कि यह केवल भाजपा की जीत नहीं होगी, बल्कि पूरे बंगाल की जीत होगी। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं की अस्मिता की रक्षा की जाएगी और घुसपैठ को पूरी तरह रोका जाएगा।

इसके बाद अग्निमित्रा पाल ने भी पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भाजपा के घोषणापत्र में महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि "दुर्गा शक्ति स्क्वॉड" का गठन किया जाएगा, जिससे महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद महिलाओं को न तो सुरक्षा मिली है और न ही सम्मान।

हिमंत बिस्वा सरमा के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए अग्निमित्रा पाल ने कहा कि बाबर के नाम पर मस्जिद बनाने की बात का वे विरोध करती हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी महान व्यक्ति जैसे पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के नाम पर कोई निर्माण होता तो किसी को आपत्ति नहीं होती, लेकिन धर्म के आधार पर राजनीति करना उचित नहीं है। उन्होंने तृणमूल सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 15 वर्षों में राज्य में न तो रोजगार मिला, न ही बुनियादी सुविधाओं का विकास हुआ। केवल धर्म की राजनीति की गई है। उन्होंने कहा कि बंगाल के लोग अब जागरूक हो चुके हैं और उन्हें रोजगार, घर, पानी और बेहतर बुनियादी ढांचा चाहिए। अग्निमित्रा पाल ने विश्वास जताया कि जनता बदलाव के लिए तैयार है और इस बार राज्य में सरकार बदलेगी। उन्होंने कहा कि वे लगातार जमीनी स्तर पर लोगों के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझ रही हैं और जनता भी साफ तौर पर कह रही है कि उन्हें तृणमूल सरकार नहीं चाहिए।

भारत की शक्ति और हर वैश्विक साझेदारी का भविष्य- लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और स्किल्ड वर्कफोर्स का संगम

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

» भारत की शक्ति और वैश्विक परिदृश्य-लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और स्किल्ड वर्कफोर्स की ताक़त हैं
» वैश्विक कंपनियाँ भारत में निवेश करती हैं तो उन्हें स्थिर राजनीतिक माहौल, विशाल उपभोक्ता आधार और प्रतिभाशाली मानव संसाधन तीनों एक साथ मिलते हैं- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया-वैश्विक स्तरपर भारत आज केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं है,बल्कि यह विश्व के लिए आशा,स्थिरता और अवसरों का केंद्र बन चुका है। भारत आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसे केवल एक राष्ट्र की उपलब्धि कहना कम होगा।यह 21वीं सदी के उस नए युग की शुरुआत है यह स्वतंत्रता के 75 से अधिक वर्षों की यात्रा में भारत ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि, लोकतंत्र केवल एक शासन पद्धति नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र की आत्मा है। इसके साथ ही,भारत की जनसांख्यिकी और विशाल स्किल्ड वर्कफोर्स ने उसे ऐसे मुकाम पर ला खड़ा किया है, जहां से वह न केवल अपने नागरिकों के भविष्य को संवार सकता है,बल्कि पूरे विश्व के विकास की दिशा भी तय कर सकता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र से, यह लेख तीन मुख्यस्तंभों, लोकतंत्र की शक्ति, जनसांख्यिकीय लाभ और स्किल्ड वर्कफोर्स की क्षमता पर आधारित है, जिनकी वजह से भारत और उसके वैश्विक साझेदारों के बीच हर रिश्ते को "विन-विन सिचुएशन" के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। साथियों बात अगर हम भारत की पहली सबसे बड़ी ताकत की करें तो,भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है।1950 में संविधान लागू होने के बाद से आज तक भारत ने चुनावों के जरिए सत्ता परिवर्तन, नीति निर्माण और नागरिक अधिकारों को जिस मजबूती से कायम रखा है, वह विश्व के लिए उदाहरण है। लोकतंत्र का अर्थ केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिक भागीदारी, न्याय व्यवस्था की स्वतंत्रता और पारदर्शी शासन की नींव पर खड़ा है। विविधता में एकता इसका सबसे बड़ा परिचायक है, जहां 22 आधिकारिक भाषाएँ, हजारों बोलियाँ, सैकड़ों धर्म-संप्रदाय और अलग-अलग संस्कृतियाँ होने के बावजूद लोग लोकतांत्रिक रूप से एकजुट रहते हैं। भारत का लोकतंत्र वैश्विक कंपनियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करता है क्योंकि वे जानती हैं कि यहां नीतियाँ पारदर्शी हैं, कानून का शासन है और निवेशकों के हितों की रक्षा की जाती है।दुनिया के कई हिस्सों में अधिनायकवाद और राजनीतिक अस्थिरता देखने को मिलती है। अफ्रीकी और एशियाई देशों में सत्ता परिवर्तन अक्सर हिंसा और अराजकता का कारण बनते हैं।इसके विपरीत भारत ने अपने लोकतांत्रिक ढांचे से स्थिरता का माहौल तैयार किया है। यही कारण है कि विश्व की बड़ी कंपनियाँ भारत को "सेफ़ हैवन" के रूप में देखती हैं। चीन या रूस जैसे देशों में निवेश करने पर राजनीतिक जोखिम अधिक होता है, जबकि भारत में लोकतंत्र यह सुनिश्चित करता है कि नीतियाँ स्थिर रहें और निवेश सुरक्षित रहे। यह लोकतंत्र की वही शक्ति है जो भारत को अलग पहचान दिलाती है। साथियों बात अगर हम भारत की दूसरी सबसे बड़ी ताक़त की करें तो वह है उसकी जनसांख्यिकी।वर्तमान समय में भारत की आबादी लगभग 1.43 अरब है और इसमें से 65 प्रतिशत से अधिक लोग 35 वर्ष से कम आयु वर्ग में आते हैं। यह स्थिति भारत को दुनियाँ की सबसे युवा आबादी वाला देश बनाती है। युवा आबादी किसी भी राष्ट्र के लिए ऊर्जा, नवाचार और विकास का प्रतीक होती है। जब यूरोप और जापान जैसे विकसित देश बूढ़ी होती आबादी की समस्या से जूझ रहे हैं, तब भारत के पास एक ऐसा डेमोग्राफिक एडवांटेज है जो उसे वैश्विक अर्थव्यवस्था का इंजन बना सकता है।भारत की युवा पीढ़ी तकनीक अपनाने में सबसे आगे है। वे न केवल नई तकनीकों को अपनाते हैं बल्कि स्टार्टअप्स और उद्यमिता की ओर भी बढ़ रहे हैं। यही कारण है कि भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है।"मेक इन इंडिया","स्टार्टअप इंडिया" और "डिजिटल इंडिया" जैसी योजनाएँ इसी युवा ऊर्जा का परिणाम हैं। यह डेमोग्राफिक डिविडेंड भारत को न केवल घरेलू विकास की दिशा में मजबूत बना रहा है बल्कि विश्व के लिए भी अवसर पैदा कर रहा है।भारत की यह जनसांख्यिकी वैश्विक स्तर पर भी महत्वपूर्ण है। भारत हर साल लाखों इंजीनियर, डॉक्टर और मैनेजमेंट प्रोफेशनल तैयार करता है। यह वर्कफोर्स पूरी दुनिया की जरूरतें पूरी करता है। भारतीय पेशेवर आज अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों और अफ्रीका तक अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। यह युवा आबादी उपभोक्ता बाजार के रूप में भी बेहद आकर्षक है। युवा वर्ग नई तकनीकों, डिजिटल सेवाओं और उपभोक्ता उत्पादों का सबसे बड़ा खरीदार है। यही कारण है कि वैश्विक कंपनियाँ भारत को भविष्य का सबसे बड़ा बाजार मानती हैं। साथियों बात अगर हम भारत की तीसरी और सबसे महत्वपूर्ण शक्ति की करें तो वह है उसका विशाल स्किल्ड वर्कफोर्स। भारत के पास आज दुनिया का सबसे बड़ा स्किल्ड ह्यूमन रिसोर्स पूल है।आईटी, हेल्थकेयर, इंजीनियरिंग, रिसर्च, शिक्षा और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में भारतीयों ने अपनी प्रतिभा से पूरी दुनिया में पहचान बनाई है। बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे शहर वैश्विक आईटी हब के रूप में उभर चुके हैं। भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स अमेरिकी सिलिकॉन वैली की कंपनियों के लिए रीढ़ की हड्डी बन चुके हैं। हेल्थकेयर के क्षेत्र में भारतीय डॉक्टर और नर्स पूरी दुनिया में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान यह साफ दिखाई दिया कि भारतीय मेडिकल प्रोफेशनल्स की क्षमता कितनी विशाल है।मैन्युफैक्चरिंग और स्टार्टअप्स के क्षेत्र में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। "मेक इन इंडिया" अभियान ने विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया है और भारत में उत्पादन का माहौल तैयार किया है। भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम भी दुनिया में तीसरे स्थान पर है, जिसने लाखों रोजगार पैदा किए हैं। यह स्किल्ड वर्कफोर्स केवल भारत की अर्थव्यवस्था के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक नवाचार और विकास के लिए भी अहम है। साथियों बातें कर हम इन तीनों कारकों,लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और स्किल्ड वर्कफोर्स,का संगम भारत को विश्व की बड़ी कंपनियों और सरकारों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाने की करें तो, जब कंपनियाँ भारत में निवेश करती हैं तो उन्हें स्थिर राजनीतिक माहौल, विशाल उपभोक्ता आधार और प्रतिभाशाली मानव संसाधन तीनों एक साथ मिलते हैं। यही कारण है कि एप्पल, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन और टेस्ला जैसी कंपनियाँ भारत को भविष्य का हब मान रही हैं।भारत और उसके वैश्विक साझेदारों के बीच संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं। यह संबंध वास्तव में परस्पर लाभकारी है। भारत को रोजगार, तकनीक और निवेश मिलता है,जबकि कंपनियों को लागत में कमी, स्थिर वातावरण और विशाल बाजार तक पहुंच मिलती है। इस प्रकार यह रिश्ता "विन-विन सिचुएशन" का प्रतीक बन जाता है।हालांकि भारत के सामने कुछ चुनौतियाँ भी हैं। शिक्षा और कौशल मेंअसमानता, आधारभूत ढाँचे की कमी, गरीबी और बेरोजगारी जैसी समस्याएँ अभी भी मौजूद हैं। लेकिन भारत सरकार "स्किल इंडिया", "डिजिटल इंडिया", "गति शक्ति योजना" और "आत्मनिर्भर भारत" जैसे अभियानों से इन चुनौतियों को अवसरों में बदलने का प्रयास कर रही है। यदि ये प्रयास सफल होते हैं तो भारत अपनी जनसांख्यिकी और स्किल्ड वर्कफोर्स का पूरा लाभ उठा सकेगा। अंततः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह स्पष्ट है कि भारत की शक्ति तीन स्तंभों पर आधारित है,लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और स्किल्ड वर्कफोर्स। ये तीनों मिलकर भारत को न केवल विश्व की आर्थिक महाशक्ति बना रहे हैं, बल्कि इसे एक भरोसेमंद वैश्विक साझेदार भी बना रहे हैं। भारत का विकास मॉडल शून्य-योग नहीं है, बल्कि यह पूरे विश्व के लिए अवसर पैदा करता है। आने वाले दशकों में जब दुनिया नए संकटों और अवसरों से गुजरेगी, तब भारत अपनी लोकतांत्रिक ताक़त, युवा ऊर्जा और स्किल्ड वर्कफोर्स के दम पर पूरे विश्व के लिए आशा और सहयोग का केंद्र बना रहेगा। यही भारत की असली पहचान है- एक ऐसा राष्ट्र जो अपने विकास के साथ-साथ पूरे विश्व की प्रगति में योगदान देता है और हर वैश्विक साझेदारी को वास्तविक "विन-विन" बनाता है।

-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र 9226229318

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमे तिथि, षष्ठी, बुधवार, आद्रा नक्षत्रे, अद्र योगे, कौलव करणे, मिथुन की चंद्रमा, मूसल योग, रवियोग 55/17 विद्या आरंभ तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक दार्शनिक, सुंदर, सुशील, कोमल हृदय, दयावान, उत्तम वृत्ति वाला, कुशल नौकरी-पैसे वाला, धनी-मानी, शिक्षक-शिक्षाविद् तथा दूध-दही तथा सोने-चांदी का व्यापारी, योगी-भोगी होगा।

मेष राशि :- मित्र से पीड़ा, यात्रा, विवाद, मातृ-कष्ट, व्यर्थ का विरोध, पड़ोसियों से विरोध बनेगा।

वृष राशि :- धन व्यय, व्यापार में प्रगति, शुभ कार्य होगा, परिवार में अनुकूलता बनी रहेगी।

मिथुन राशि :- पितृ-कष्ट, यात्रा योग, व्यय लाभ, अस्थिर व अशांति का वातावरण रहेगा।

कर्क राशि :- यात्रा सुख, भूमि लाभ, हर्ष, सिद्धी, खेती व गृह कार्य की व्यवस्था उत्तम बनेगी।

सिंह राशि :- शरीर कष्ट, अपव्यय, कार्य में सफलता, आर्थिक सुधारादि कार्य होंगे।

कन्या राशि :- खर्च, विवाद, स्त्री-कष्ट, विद्या-लाभ, धीरे-धीरे सुधार के साथ लाभ अवश्य ही होगा।

तुला राशि :- यात्रा से हानि, राजलाभ, शरीर कष्ट, खर्च अधिक होगा, ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि :- वृत्ति से लाभ, यात्रा, सम्पत्ति लाभ, व्यापार में सुधार होगा, खर्च होते ही रहेंगे।

धनु राशि :- अल्प लाभ, चोटाग्नि भय, शरीर भय, मानसिक परेशानी, अपवाद या उलझन का सामना करेंगे।

मकर राशि :- शत्रु से हानि, अपव्यय, शरीरादि सुख होगा, कभी-कभी कुछ कमीr की व्यवस्था बनेगी।

कुंभ राशि :- शुभ व्यय, संतान सुख, कार्य-सफलता, उत्साह में वृद्धि होगी, रुके कार्य बन जायेंगे।

मीन राशि :- पदोन्नति, राजभय, लाभ-हानि तथा अधिकारियों से मनमुटाव होगा, ध्यान दें।

सावधान! पृथ्वी मानवजाति के लिए मेहमान है, मालिक नहीं

रमेश कृष्णराव लांजेवार

पृथ्वी का दिन-प्रतिदिन क्षय हो रहा है और जलवायु में तेजी से बदलाव आ रहा है। ऑक्सीजन की मात्रा भी लगातार कम होती जा रही है। इसका उदाहरण हमने कोरोना महामारी के दौरान अपनी आंखों से देखा, जिसमें लाखों लोगों की जान गई। इसलिए अब समय आ गया है कि हम सभी पृथ्वी को बचाने का संकल्प लें।हाल ही में 19 अप्रैल 2026 को विदर्भ क्षेत्र के अकोला और वर्धा जैसे शहरों में तापमान 45°C तक पहुंच गया, जबकि अन्य शहरों में भी 44°C पार हो गया। यह अत्यंत चिंताजनक स्थिति है।पृथ्वी की सुरक्षा के लिए 1970 से हर साल 22 अप्रैल को "विश्व पृथ्वी दिवस" मनाया जाता है। प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए कई देशों ने प्रयास किए और कुछ देश इसमें सफल भी हुए हैं। भारत ने भी प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया है।आज दुनिया की बढ़ती जनसंख्या पृथ्वी के लिए बड़ा खतरा बन गई है। जंगलों की कटाई के कारण ऑक्सीजन कम हो रही है और जलवायु असंतुलित हो रही है। औद्योगिक विकास के कारण वायु, जल और भूमि प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है।मानव के अत्यधिक हस्तक्षेप के कारण भूकंप, ज्वालामुखी, सुनामी, महामारी, अत्यधिक गर्मी, ठंड और वन आग जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं। यह सब प्रकृति के साथ छेड़छाड़ का परिणाम है।आज दुनिया में आधुनिक हथियारों और जैविक हथियारों की होड़ लगी हुई है। विभिन्न देशों के बीच युद्ध और संघर्ष पृथ्वी के लिए खतरा बनते जा रहे हैं।इसी के साथ, कृषि में रासायनिक पदार्थों के अधिक उपयोग से भी भूमि की उर्वरता और पर्यावरण पर बुरा असर पड़ रहा है।जंगलों की कटाई के कारण नदियां, तालाब और जल स्रोत सूखते जा रहे हैं। इससे जंगली जानवरों को भोजन और पानी नहीं मिल रहा, जिसके कारण वे शहरों की ओर आ रहे हैं ,यह एक गंभीर समस्या है।पृथ्वी पर हर जीव और हर पेड़ का अपना महत्व है। जैसे गिद्ध मृत जीवों को खाकर वातावरण को साफ रखते हैं, लेकिन प्रदूषण के कारण उनकी संख्या बहुत कम हो गई है।आज मानवने अपने स्वार्थ के लिए प्रकृति का बहुत नुकसान किया है। अगर यही चलता रहा, तो भविष्य में भयानक परिणाम भुगतने पड़ेंगे।पृथ्वी को बचाने के लिए हमें वृक्षारोपण करना होगा, जंगलों की रक्षा करनी होगी और जल संरक्षण करना होगा। जहां जगह नहीं है, वहां गमले में ही पौधे लगाकर पृथ्वी दिवस मनाना चाहिए।वृक्ष लगाने से वर्षा का पानी जमीन में समाएगा, जलस्तर बढ़ेगा और तापमान कम होगा। इससे नदियां और तालाब भी भरपूर रहेंगे।आज इंसान पानी के लिए जमीन के 700 फीट नीचे तक जा रहा है, जो बेहद चिंताजनक है। प्रकृति के साथ यह छेड़छाड़ भविष्य में विनाश का कारण बन सकती है।आज पूरी मानवजाति के सामने तीन बड़े सवाल हैं,पृथ्वी को बचाना, महामारी से सुरक्षा और तीसरे विश्व युद्ध से बचाव इनका समाधान तभी संभव है जब हम मानवता को अपनाएं और प्रकृति का सम्मान करें।पृथ्वी हमारी संपत्ति नहीं, बल्कि हम इसके अतिथि हैं। इसलिए हमें इसे सुरक्षित रखना चाहिए।अंत में, मैं सभी से निवेदन करता हूं कि अधिक से अधिक पेड़ लगाएं, जंगलों को बचाएं और पर्यावरण की रक्षा करें।"पृथ्वी सुरक्षित तो संपूर्ण जीवन सुरक्षित",इस मंत्र को अपनाना ही सच्चा पृथ्वी दिवस मनाना है।

जय हिंद।

लेखक:
रमेश कृष्णराव लांजेवार
(स्वतंत्र पत्रकार)
मो. नं. 9921690779,
नागपुर

कृत्रिम बुद्धिमत्ताः सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

लेखक- ललित गर्ग

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मर्यादाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है। वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है। इस प्रकार यह तकनीक केवल सामाजिक या नैतिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चुनौती भी बन रही है। इन सभी चिंताओं के बीच यह समझना आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नकारा नहीं जा सकता। यह आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है और चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन तथा उत्पादन के क्षेत्र में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के स्वरूप में है। यदि इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तो यह एक वरदान सिद्ध हो सकती है। इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि इसके विकास और उपयोग के लिए स्पष्ट और सशक्त नियम बनाए जाएं। सरकारों और संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक का उपयोग पारदर्शी, सुरक्षित और उत्तरदायी तरीके से हो। कंपनियों को अपने तंत्र में ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सामग्री की पहचान और नियंत्रण संभव हो सके। साथ ही नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता के बिना कोई भी समाज इस चुनौती का सामना नहीं कर सकता। लोगों को यह समझना होगा कि जो कुछ वे देख या सुन रहे हैं, वह हमेशा सत्य नहीं हो सकता। सत्यापन की प्रवृत्ति को विकसित करना समय की आवश्यकता है। नैतिकता के स्तर पर यह भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले आंकड़े निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यदि आधार ही पक्षपाती होगा, तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। इससे सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता और उत्तरदायित्व जैसे सिद्धांतों को इसके विकास का आधार बनाना होगा। सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तकनीकी विकास हमारी परंपराओं और मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे। हमारी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है, किंतु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसका उपयोग सम्मानपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। साररूप में यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली साधन है, जो मानव जीवन को नई दिशा दे सकता है। किंतु यदि इसे नैतिकता से अलग कर दिया जाए, तो यह उसी गति से विनाश का कारण भी बन सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के विकास के साथ-साथ अपने नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करें। विज्ञान और मानवीय संवेदना के बीच संतुलन ही वह मार्ग है, जो हमें सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है।

नई गढ़वाली फिल्म 'कंडाली' का पहला गाना देहरादून स्टूडियो में रिकॉर्ड किया गया। उत्तराखंड के पूर्व मुख्य सचिव और डीजीपी राधा रतूड़ी और अनिल रतूड़ी ने इसका पोस्टर जारी किया

सुनील नेगी

प्रख्यात फिल्म निर्माता शिव नारायण सिंह रावत द्वारा लिखित और निर्देशित नई गढ़वाली फिल्म 'कंडाली' का पहला गीत देहरादून के निषाद स्टूडियो में रिकॉर्ड किया गया। इस फिल्म का पटकथा लेखन और निर्देशन सेवानिवृत्त वाइस मार्शल वीएसएम राजेश भंडारी और वीरेंद्र पटवाल ने संयुक्त रूप से किया है। इस मनमोहक गीत को गायिका नीलू ने मधुरता से गाया है। इस अवसर पर फिल्म के निर्माता वीएसएम राजेश भंडारी, निर्देशक और पटकथा लेखक शिव नारायण सिंह रावत, फिल्म की खूबसूरत नायिका अंबिका रावत, संगीतकार, निर्देशक निषाद चंद्र, बाल कलाकार जीवा रावत आदि उपस्थित थे। पहले गाने के एक हिस्से की रिकॉर्डिंग और रिलीज के बाद, पूरी टीम ने उत्तराखंड की पूर्व मुख्य सचिव, आईएएस राधा रतूड़ी और उनके पति, उत्तराखंड के प्रतिष्ठित पुलिस प्रमुख, आईपीएस अनिल रतूड़ी से मुलाकात की और गढ़वाली फिल्म का पोस्टर जारी किया। यह फिल्म जल्द ही रिलीज़ होने वाली है और उत्तराखंड के गढ़वाल के विभिन्न शांत, आकर्षक और भव्य स्थानों पर इसकी शूटिंग बिना रुके जारी है। इस अवसर पर एवीएम राजेश भंडारी (निर्माता), कर्नल शैलेंद्र रावत और लेखक-निर्देशक शिवनारायण सिंह रावत भी उपस्थित थे। फिल्म 'कंडाली' की पूरी टीम के लिए यह एक खुशी और सम्मान का क्षण था। बधाई हो! यह उल्लेखनीय है कि कंडाली उन साहसी महिलाओं का प्रतीक है जो एक गरीब गांव की लड़की से आईपीएस अधिकारी बनती हैं और अंततः अन्याय और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़कर उन्हें न्याय के कटघरे में लाती हैं। यह फिल्म मुख्य रूप से महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है। यह फिल्म अपार सफलता की प्रबल संभावना रखती है क्योंकि यह आईपीएस अधिकारी बनने और भ्रष्ट व्यवस्था से लड़ने के लिए महिलाओं की प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प को दर्शाती है, साथ ही समाज में सुधार लाती है और महिला सशक्तिकरण का सकारात्मक संदेश देती है।

खेल ने ले ली जान, तैराकी के दौरान गायब हुई

ब्राजीलियाई एथलीट, घंटों बाद झील की गहराई में मिला शव

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल की दुनिया से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। ब्राजील की मशहूर ट्रायथलीट और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मारा फ्लेविया की शनिवार, 18 अप्रैल को आयरनमैन टेक्सास प्रतियोगिता के दौरान डूबने से मौत हो गई। 38 वर्षीय यह एथलीट अपनी फिटनेस और खेल के प्रति जुनून के लिए जानी जाती थीं। पूरी दुनिया में उनकी फैन फॉलोइंग काफी ज्यादा थी।

यह दर्दनाक हादसा लेक वुडलैंड्स में हुआ, जो 140 मील लंबी इस इंड्यूरेंस रेस का पहला चरण था। शनिवार सुबह करीब 6 बजे अधिकारियों को एक तैराक के लापता होने की सूचना मिली। इसके बाद मोंटगोमरी काउंटी शेरिफ कार्यालय और वुडलैंड्स फायर विभाग ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। लापता होने के करीब डेढ़ घंटे बाद, सुबह 7ः30 बजे औपचारिक रूप से खोए हुए तैराक की रिपोर्ट दर्ज की गई और सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया।

रेस्क्यू टीम को मशक्कत के बाद मिला शव – झील के पानी के अंदर दृश्यता कम होने के कारण बचाव दल को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद, सुबह 9 बजे नॉर्थशोर पार्क के पास मारा फ्लेविया का शरीर मिला। अधिकारियों के अनुसार, जब तक टीम उन तक पहुंची, उनका शरीर झील की सतह से लगभग 10 फीट नीचे जा चुका था। सुबह 9ः30 बजे शव को बाहर निकाला गया, जिसके बाद तट पर ही उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। आयोजकों ने इस घटना की पुष्टि करते हुए गहरा शोक व्यक्त किया है।

लॉरियस अवार्ड 2026

कार्लोस अल्काराज़ और एरीना सबालेंका बने साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

मैड्रिड (एजेंसी)। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में आयोजित लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स 2026 में टेनिस खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। कार्लोस अल्काराज़ को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी, जबकि एरीना सबालेंका को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया।

अल्काराज़ और सबालेंका का शानदार प्रदर्शन – अल्काराज़ ने पिछले एक साल में शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रेंच ओपन, यूएस ओपन और इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब अपने नाम किया। वहीं, दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी सबालेंका ने लगातार दूसरी बार यूएस ओपन जीतकर अपनी बादशाहत कायम रखी। फ्रांस के फुटबॉल क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीम का अवॉर्ड मिला।

बैंकॉक चेस ओपन

अरण्यक बने भारत के 95वें ग्रैंडमास्टर

आर्थिक तंगी दिमाग पर ऐसे हावी, हर मैच करियर बचाने की चुनौती मानकर खेलते थे

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय शतरंज के लिए हालिया हफ्ता ऐतिहासिक उपलब्धियों वाला रहा। आर. वैशाली के महिला वर्ल्ड चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई करने और एएस श्रा?वणिका के अंडर-12 रैपिड खिताब जीतने के बाद, अब कोलकाता के अरण्यक घोष ने भारत का 95वां ग्रैंडमास्टर बनकर देश का गौरव बढ़ाया है। नेशनल रैपिड चैम्पियन अरण्यक ने बैंकॉक चेस क्लब ओपन में 9 में से 7 अंक हासिल कर अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म प्राप्त किया। अरण्यक को इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ा परिश्रम करना पड़ा। उन्होंने पहला नॉर्म 2023 (सैंट्स ओपन) और दूसरा 2024 (एनेमासे मास्टर्स) में हासिल किया था। उन्होंने पिछले साल फिडे वर्ल्ड कप में पोलैंड के माटुस्ज बार्टेल को हराकर सबको चौंकाया था। अरण्यक वर्ल्ड रैंकिंग में 401वें स्थान पर मौजूद हैं।

तनावमुक्त रहने के लिए कार्टून वाली हुडी पहनकर खेलते हैं

- अरण्यक जब साढ़े चार साल के थे, तब घर की सफाई में मां संचिता को पिता मृणाल घोष की पुरानी, धूल भरी शतरंज पेटी मिली। नन्हे अरण्यक गोटियां सजाकर खेलने लगे। बेटे की रुचि देख पिता मृणाल घोष ने उन्हें ट्रेनिंग दिलवाई।
- कोच सौमेन मजूमदार ने अरण्यक की आर्थिक तंगी को देखते हुए उन्हें मुफ्त कोचिंग दी और अपने खर्च पर शीर्ष ग्रैंडमास्टर्स से ट्रेनिंग सत्र कराए।
- अरण्यक के पास कॉर्पोरेट स्पॉन्सर नहीं था, इसलिए इनामी राशि से ही अगले टूर्नामेंट की फीस देते और टिकट वगैरह का खर्च उठाते। साल 2019 में पिता ने फीस के लिए पुश्तैनी जमीन और संपत्तियां बेच दीं। अरण्यक जानते थे कि खराब प्रदर्शन का मतलब अगला मौका खत्म, इसलिए हर मैच को करियर बचाने की चुनौती मानकर खेला।
- मां संचिता घोष ने बेटे के करियर के लिए वकालत छोड़ दी, ताकि विदेशी टूर्नामेंट में साथ जा सकें। यूरोप दौरों में खर्च बचाने के लिए सस्ते कमरों में रहते और खुद खाना बनाते थे।
- जहां खिलाड़ी औपचारिक कपड़ों में खेलते हैं, वहीं अरण्यक कार्टून थीम वाली हुडी पहनकर बोर्ड पर बैठते हैं। यह उन्हें बड़े टूर्नामेंट के दबाव में भी सहज और तनावमुक्त रखती है।
- 2013 में अरण्यक ईरान में एशियन यूथ चेस चैम्पियन ?शिप खेलने गए। तब मां संचिता ने उन्हें ईरानी केसर लाने को कहा था। 9 साल के अरण्यक ने मां की यह इच्छा भी पूरी की और अंडर–10 वर्ग में सिल्वर मेडल जीतकर लौटे।
- वे बचपन से ही थैलेसीमिया से जूझ रहे हैं, जिसमें खून कम होने से लगातार थकान रहती है। इसके बावजूद वे कई बार बुखार और दर्द में भी टूर्नामेंट खेलने पहुंचे। घर पर रहने का विकल्प था, लेकिन उन्होंने शतरंज को ही अपना सहारा बनाया। उनका कहना है कि बिस्तर पर रहने से बेहतर उन्हें चालें सोचना लगता। यही जिद और मानसिक मजबूती उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी।

चेन्नई सुपर किंग्स को लगा बड़ा झटका

इंजरी के कारण आईपीएल 2026 से बाहर हुए आयुष म्हात्रे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के बीच चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खेमे से एक बेहद परेशान करने वाली खबर सामने आई है। टीम के युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग चोट के चलते टूर्नामेंट के बाकी बचे मैचों से बाहर हो गए हैं। यह खबर सीएसके के फैंस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है, क्योंकि आयुष इस सीजन सीनियर खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में बेहतरीन लय में नजर आ रहे थे। अंडर-19 के इस उभरते सितारे ने अपने पहले ही आईपीएल सीजन में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा था।

हैदराबाद के खिलाफ मैच में लगी चोट

आयुष म्हात्रे को यह इंजरी 18 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले के दौरान हुई थी। बल्लेबाजी करते समय एक तेज रन लेने के प्रयास में आयुष म्हात्रे को अचानक मांसपेशियों में खिंचाव महसूस हुआ, जिसके बाद वे मैदान पर ही दर्द से कराहते नजर आए। उन्हें तुरंत मेडिकल टीम की देखरेख में बाहर ले जाया गया था। अब विस्तृत चिकित्सा रिपोर्टों के बाद यह साफ हो गया है कि उन्हें पूरी तरह ठीक होने के लिए कम से कम 6 से 12 हफ्तों के लंबे रिहैबिलिटेशन की जरूरत पड़ेगी, जिससे उनका मौजूदा सीजन अब समाप्त हो गया है।

काफी शानदार फॉर्म में थे आयुष म्हात्रे

आयुष म्हात्रे ने इस सीजन में अपनी तकनीक और निडर बल्लेबाजी शैली से दिग्गजों को काफी प्रभावित किया था। सीएसके के बल्लेबाजी क्रम में वे एक एक्स–फैक्टर के रूप में उभरे थे, जो मध्यक्रम में तेजी से रन बनाने की क्षमता रखते थे। उनके बाहर होने के बाद अब कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और कोच स्टीफन फ्लेमिंग के सामने सबसे बड़ी चुनौती उनके सही रिप्लेसमेंट को खोजने की होगी। सीजन के इस महत्वपूर्ण मोड़ पर आयुष जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी का बाहर होना टीम के संतुलन को बिगाड़ सकता है।

सीएसके को लगातार हो रहा नुकसान

इस सीजन चेन्नई सुपर किंग्स की टीम ने 6 मुकाबले खेले हैं और इन 6 मुकाबलों में उन्हें सिर्फ 2 मैचों में ही जीत मिली है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स को लगातार झटके मिल रहे हैं। सीजन शुरू होने से पहले एमएस धोनी और नाथन एलिस चोटिल हो गए थे। इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ा झटका तब लगा जब टीम के घातक तेज गेंदबाद खलिल अहमद भी इंजरी के कारण बाहर हो गए। अब इस लिस्ट में आयुष म्हात्रे का नाम भी शामिल हो गया है।

आईपीएल इतिहास में 5 नंबर के बाद

शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट शामिल हुए तिलक वर्मा

मुंबई (एजेंसी)। तिलक वर्मा ने आईपीएल इतिहास में अपना पहला शतक ठोक दिया है। तिलक ने सिर्फ 45 गेंदों पर 101 रन की पारी खेली। इसी के साथ तिलक ने एक शानदार रिकॉर्ड भी बना दिया। तिलक उन बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो चुके हैं जिन्होंने आईपीएल में नंबर 5 या उससे नीचे बैटिंग करते हुए शतक ठोका हो। इस लिस्ट में 3 और बल्लेबाज हैं, जिनके बारे में हम आगे बात करने वाले हैं।

यूसुफ पठान (2010) - 100 रन बनाम मुंबई इंडियंस

यूसुफ पठान (2010) - 100 रन बनाम मुंबई इंडियंस

साल 2010 में राजस्थान रॉयल्स के यूसुफ पठान ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ वह पारी खेली थी जिसे आज भी आईपीएल की सबसे बेहतरीन पारियों में गिना जाता है। ब्रेबोर्न स्टेडियम में यूसुफ ने महज 37 गेंदों पर 100 रन कूट डाले थे। नंबर 5 पर बल्लेबाजी करते हुए यह आईपीएल इतिहास का पहला शतक था। आरसीबी के खिलाफ मोहाली के मैदान पर डेविड मिलर ने जो किया उसे बैंगलोर के फैंस कभी नहीं भूल पाएंगे। 2013 में किंग्स इलेवन पंजाब के लिए नंबर 5 पर उतरते हुए मिलर ने सिर्फ 38 गेंदों पर नाबाद 101 रन बनाए थे। एक समय पंजाब की टीम हार की कगार पर थी लेकिन मिलर की इस आतिशी पारी ने मैच का रुख पूरी तरह मोड़ दिया था।

बेन स्टोक्स (2017) - 103 रन बनाम गुजरात लायंस

2017 में इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने गुजरात लायंस के खिलाफ अपनी क्लास दिखाई थी। पुणे के मैदान पर खेलते हुए स्टोक्स नंबर 5 पर आए और मुश्किल परिस्थितियों में 63 गेंदों पर नाबाद 103 रनों की सूझबूझ भरी पारी खेली। इस शतक ने न केवल पुणे को जीत दिलाई बल्कि स्टोक्स को आईपीएल के इस खास रिकॉर्ड लिस्ट में शामिल करा दिया।

तिलक वर्मा (2026) - 101 रन बनाम गुजरात टाइटंस

इस खास क्लब में सबसे ताजा एंट्री हुई है मुंबई इंडियंस के तिलक वर्मा की। आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहमदाबाद के मैदान पर तिलक ने धमाका कर दिया। उन्होंने नंबर 5 पर बल्लेबाजी करते हुए मात्र 45 गेंदों में नाबाद 101 रन बनाकर सनसनी मचा दी।

नौकरी छोड़ी, 1 साल तक माता-पिता से छुपाकर रखा राज, फिर ऐसा किया काम कि अब लाखों का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्धेंदु दास मूल रूप से बंगाल के रहने वाले हैं। अभी वह मायानगरी मुंबई में रहते हैं। कॉर्पोरेट जॉब छोड़कर उन्होंने एक सफल कारोबार खड़ा कर दिया है। इसकी नींव उन्होंने 2022 में रखी थी। इसका नाम ओएंडबी है। नवी मुंबई में यह ऑडियो इक्विपमेंट स्टार्टअप है। यह बारीकी से डिजाइन किए गए हाथ से बने ऑडियो एम्पलीफायर बनाता है। इसका मकसद संगीत सुनने वालों के अनुभव को बढ़ाना है। नौकरी छोड़ने के बाद एक साल तक अर्धेंदु ने अकेले संघर्ष किया। इसकी भनक माता-पिता को भी नहीं लगने दी। अब वह अपने स्टार्टअप से लाखों की कमाई कर रहे हैं। साथ ही 'मेक इन इंडिया' की मुहिम को मजबूती देने में लगे हैं। आइए, यहां अर्धेंदु दास की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

अर्धेंदु दास पश्चिम बंगाल से ताल्लुक रखते हैं। सिर्फ 14 साल की उम्र से इलेक्ट्रॉनिक्स से उनका लगाव हो गया था। तब उन्होंने अपना पहला एम्पलीफायर खुद बनाया था। इंजीनियरिंग के बाद अर्धेंदु ने सोनोडाइन जैसी प्रतिष्ठित कंपनी के साथ आरएंडडी में काम किया। बाद में एलएंडटी और ईटन जैसी बड़ी फर्मों में पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ईवी बैटरी के क्षेत्र में अनुभव हासिल किया। हालांकि, उनके भीतर का 'ऑडियो इंजीनियर' हमेशा सक्रिय रहा। 2021 में जब वह अपने लिए होम थिएटर खरीदने निकले तो उन्हें महसूस हुआ कि बाजार में मिलने वाले विदेशी ब्रांड भारतीय उमस और गर्मी के हिसाब से नहीं बने हैं। उनके स्पेसिफिकेशन अक्सर भ्रामक होते हैं। यहीं से ओएंडबी की नींव पड़ी। नौकरी छोड़कर अपना काम करने का रास्ता आसान नहीं था। अर्धेंदु ने जब नौकरी छोड़ी तो रिस्क इतना बड़ा था कि उन्होंने एक साल तक अपने माता-पिता को इस बारे में नहीं बताया। अपनी जमा पूंजी से उन्होंने 2022 में ओएंडबी की शुरुआत की। पहले साल वह अकेले ही हर प्रोजेक्ट पर काम करते थे। शुरुआत में बाहरी वेंडरों के साथ क्वालिटी और समय की समस्याओं का सामना करने के बाद उन्होंने फैसला लिया कि वह असेंबलिंग के बजाय इन-हाउस मैन्युफैक्चरिंग करेंगे। आज उनकी कंपनी में जापानी फिलॉसफी 'शोकुनिन किशित्सु' (शिल्पकला के प्रति समर्पण) का पालन किया जाता है।

अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पावर की बादशाहत, मिला नंबर-01 का ताज

मुंबई, एजेंसी। अडानी ग्रुप की कंपनियों में अब सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी के तौर पर अडानी पावर हो गई है। अडानी पोर्ट्स एंड एसइजेड का दूसरा नंबर हो गया है। इस बड़े बदलाव की वजह अडानी पावर के शेयरों में उछाल है। सोमवार को अडानी पावर के शेयर 52 वीक हाई पर पहुंच गए थे। जिसके बाद कंपनी का मार्केट कैप करीब 4 लाख करोड़ रुपये हो गया था। अडानी पावर के शेयरों की कीमतों में आज फिर से तेजी देखे को मिली है। बीएसई में अडानी पावर का शेयर 203.75 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 207.20 रुपये के इंट्रा–डे हाई पर पहुंच गया। वहीं, कंपनी का मार्केट कैप 3.93 लाख करोड़ रुपये का है। 20 अप्रैल 2026 के डाटा के अनुसार अडानी ग्रुप की सबसे अधिक वैल्यूएशन वाली कंपनी अडानी पावर हो गई है। दूसरे नंबर पर अडानी पोर्ट्स है। जिसका मार्केट कैप 3.63 लाख करोड़ रुपये का है। अडानी एंटरप्राइजेज का मार्केट कैप 2.87 लाख करोड़ रुपये का है। अडानी ग्रीन एनर्जी का मार्केट कैप 1.90 लाख करोड़ रुपये का है। वहीं, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस का मार्केट कैप 1.51 लाख करोड़ रुपये का है। अम्बुजा सीमेंट का मार्केट कैप 1.12 लाख करोड़ रुपये का है। वहीं, अडानी टोटल गैस का मार्केट कैप 68 हजार करोड़ रुपये का है। बता दें, एसीसी, एनडीटीवी जैसी कंपनियों का नंबर नीचे है।

550 करोड़ की चांदी सिर्फ 30 करोड़ की निकली!

माता वैष्णो देवी के भक्तों के साथ बड़ी ठगी

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप वैष्णो देवी मंदिर में चढ़ावे के लिए वहां से चांदी के सिक्के या ज्वेलरी खरीद रहे हैं तो सावधान हो जाइए। हो सकता है कि वो चांदी के नाम पर 'जहर' हो। एक जांच में यह खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि चांदी के नाम जो धातु वहां से खरीद रहे हैं, उसमें मात्र 5 से 6 फीसदी ही चांदी है। बाकी उसमें कैडमियम और आयरन यानी लोहा मिला हुआ है। इसमें कैडमियम जहरीली धातु है जो कैंसर पैदा करती है।

हाल ही में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने चढ़ावे में मिली करीब 20 टन चांदी को पिघलाने और सुरक्षित रखने के लिए सरकारी मिंट (टकसाल) को भेजा था। उम्मीद थी कि इसमें लगभग 500 से 550 करोड़ रुपये मूल्य की असली चांदी निकलेगी। लेकिन इकनॉमिक टाइम्स के मुताबिक शुरुआती जांच में पता चला कि असली चांदी की कीमत सिर्फ 30 करोड़ रुपये के आसपास हो सकती है। जांच में पता चला कि इस चांदी में भारी मात्रा में कैडमियम और लोहा मिला हुआ है। असली चांदी की कीमत लगभग 2.50 लाख रुपये प्रति किलो है। वहीं कैडमियम महज 400-500 रुपये प्रति किलो मिलता है। भारतीय मानक ब्यूरो के नियमों के तहत उपभोक्ता सामानों में कैडमियम के इस्तेमाल पर रोक है।

सरकारी मिंट के अधिकारियों ने इस पर गहरी चिंता जताई है। कैडमियम एक ऐसी धातु है जो दिखने में चांदी जैसी होती है, लेकिन यह अत्यधिक जहरीली है। कैडमियम से निकलने वाला धुआं कैंसरकारी होता है। यह हवा और पानी को प्रदूषित करता है और इसे पिघलाना भी श्रमिकों के लिए जानलेवा हो सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार तिरुपति, सिद्धिविनायक या गुरुवायूर जैसे अन्य बड़े मंदिरों में इस तरह की मिलावट नहीं देखी गई है।इससे यह आशंका जताई जा रही है कि वैष्णो देवी कॉरिडोर और कटरा के आसपास के दुकानदार और ज्वेलर्स श्रद्धालुओं को यह नकली चांदी बेच रहे हैं। टकसाल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मंदिर बोर्ड की ओर से हाल में पिघलाने के लिए दान में मिली 70 किलो चांदी का बैच मिला था। इस 70 किलो चांदी में से सिर्फ 3 किलो चांदी ही असली निकली। अधिकारी ने बताया कि इस कचरे से चांदी अलग करने में 3 महीने लग गए। जहरीले धुएं के डर से अधिकारियों ने शुरुआत में इसे पिघलाने से भी मना कर दिया था। पिछले एक साल में टकसाल ने कई बार औपचारिक रूप से इस मुद्दे को उठाया है। साथ ही जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल कार्यालय और माता वैष्णो देवी मंदिर बोर्ड को पत्र लिखा है। लेकिन अभी तक इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। टकसाल ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को लिखे पत्र में कई बातों का जिक्र किया है। इसमें लिखा है, 'श्री माता वैष्णो देवी मंदिर के आसपास इस तरह की अनैतिक गतिविधियों का होना बेहद चिंताजनक है। इन गतिविधियों के जरिए धार्मिक उद्देश्यों से चांदी की वस्तुएं खरीदने वाले श्रद्धालुओं को धोखा दिया जा रहा है। श्रद्धालुओं को चांदी की चीजों में कैडमियम की मौजूदगी की जानकारी नहीं है।

एपल को मिला नया सीईओ, टिम कुक की जगह लेंगे जॉन टर्नस

नई दिल्ली, एजेंसी। आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐपल की लीडरशिप में बड़ा बदलाव हुआ है। कंपनी ने टिम कुक की जगह जॉन टर्नस को अगला सीईओ नियुक्त करने का फैसला लिया है। टर्नस 1 सितंबर से सीईओ की जिम्मेदारी संभालेंगे, जिसके बाद टिम कुक एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बन जाएंगे। वर्तमान में टर्नस हार्डवेयर इंजीनियरिंग के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट हैं। जिम्मेदारी को संभालने के बाद जॉन टर्नस ऐपल के आठवें सीईओ बन जाएंगे।

मुताबिक कुक गर्मियों के तौर पर अपना काम जारी रखेंगे। इस दौरान वे टर्नस के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि यह बदलाव आसानी से हो जाए। बता दें कि साल 2011 में टिम कुक ने स्टीव जॉब्स की मौत से

पुराने सीईओ को नई जिम्मेदारी

कुछ समय पहले कंपनी की कमान संभाली थी। वर्तमान में कुक की उम्र 65 साल है। इतनी असाधारण कंपनी का नेतृत्व

करने के लिए मुझ पर भरोसा किया जाना, मेरे जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य रहा है। मैं अपने पूरे दिल से प्यार करता हूं और मैं उन बेहद प्रतिभाशाली, इनोवेटिव, क्रिएटिव और बहुत ज्यादा परवाह करने वाले लोगों की टीम के साथ काम करने का मौका पाकर बहुत आभारी हूं, जो हमारे ग्राहकों के जीवन को बेहतर

बनाने और दुनिया के सबसे बेहतरीन प्रोडक्ट्स और सर्विसेज बनाने के लिए अपने समर्पण में कभी पीछे नहीं हटे।

टर्नस की जगह लेंगे जॉनी, बनेंगे वाइस प्रेसिडेंटः एपल ने यह भी बताया कि जॉनी स्रूजी चीफ हार्डवेयर ऑफिसर बनेंगे और एक बड़ी भूमिका में टर्नस की जगह लेंगे। स्रूजी इसस पहले कंपनी के हार्डवेयर टेक्नोलॉजीज के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट थे। वह अब हार्डवेयर इंजीनियरिंग की भी कमान संभालेंगे।

कुक के कार्यकाल में मार्केट कैप 20 गुना से भी ज्यादा बढ़ गया। कंपनी हाल ही में 4 ट्रिलियन तक पहुंच गई। हालिया रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, पिछले साल कुक को कुल 74.6 मिलियन पे किया गया, जिसमें 3 मिलियन की बेसिक सैलरी और लाखों डॉलर के स्टॉक अवार्ड शामिल थे। फोर्ब्स का अनुमान है कि उनकी कुल संपत्ति लगभग 3 बिलियन है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)